www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 I अंक – 229 I नर्मदापुरम, सोमवार 25 नवंबर 2024 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन 2 दिसम्बर से पृष्ठ 3

लड़ोगे तो जीतोगे : झारखंड का विपक्ष को संदेश

मोदी को जेपीसी गठित करने पर सहमत हो जाना चाहिए पृष्ठ 4

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एनसीसी कैडेट्स ने दिखाई प्रतिभा पृष्ठ 6

बेटी और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान, हर व्यक्ति की है जिम्मेदारी पृष्ठ 8

सार-समाचार

नेपाल के साथ रणनीतिक व रक्षा सहयोग पर सार्थक चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा के बाद रविवार को भारत लौट आए। इस दौरान उन्होंने नेपाली सेना के साथ रणनीतिक चर्चा की। सेनाध्यक्ष ने यहां गोरखा दिग्गजों के साथ बातचीत की। उन्होंने नेपाली सेना प्रमुख को भारत आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। रक्षा मंत्रालय का मानना है कि सेनाध्यक्ष की यह नेपाल यात्रा काफी सफल रही। इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों और आपसी सम्मान को मजबूत किया है।

कश्मीर में हिमपात के बाद कई सड़कें बंद

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में ताजा हिमपात और कुछ मैदानी इलाकों में बारिश के कारण रविवार को कई सड़कें बंद हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यातायात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू संभाग के पुंछ और राजौरी जिलों से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड को रविवार को पीर की गली में हिमपात के बाद एहतियात के तौर पर वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया। राजदान टॉप और उत्तरी कश्मीर जिले की अन्य जुड़ी सड़कों पर हिमपात के कारण गुरेज-बांदीपोरा सड़क भी वाहन यातायात के लिए बंद कर दी गई है।

जामा मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी टीम

संभल में हिंसा, 3 की मौत

पथराव में 20 घायल, 15 लोग हिरासत में लिए

संभल, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल में रविवार सुबह जामा मस्जिद के कोर्ट के आदेश पर हुए सर्वेक्षण के कारण स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। पथराव में लगभग 20 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि कोर्ट के आदेश पर रविवार को सुबह सात बजे से सुबह 11 बजे तक जामा मस्जिद का सर्वे होने था। कोर्ट के आदेश पर एडवोकेट कमिश्नर के नेतृत्व में सर्वे की टीम यहां आई थी। टीम के साथ पर्याप्त सुरक्षा बल भी था। डीएम और पुलिस अधीक्षक भी साथ थे।

टीम सर्वे करने जामा मस्जिद पहुंची। शुरुआत में सब कुछ ठीक था। लगभग दो घंटे सर्वे हुआ। उसी दौरान वहां पर भीड़ जमा हो गई। शुरुआत में लोग नारे लगाने लगे। थोड़ी देर बाद वहां पर पथराव शुरू हो गया। हालांकि, भीड़ मस्जिद परिसर तक नहीं जा पाई। पुलिस ने भीड़ को दूर किया। 11 बजे के बाद जब टीम सर्वे करने के बाद निकली तो लोगों ने पथराव करना शुरू कर दिया। तीन ग्रुप थे, जो तीन तरफ से लगातार पथराव कर रहे थे। टीम को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए पुलिस ने बल का प्रयोग किया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े थे। इस बीच उनके एक ग्रुप ने वाहनों में आग लगाना शुरू कर दिया। उन लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने बल का प्रयोग किया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जानबूझकर कराई गई हिंसा: अखिलेश

उत्तर प्रदेश के संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई पथराव और आगजनी की घटना पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बड़ा हमला बोला है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में जानबूझकर हिंसा कराई गई है, जानबूझ कर संभल में सर्वे टीम को भेजा गया। संभल की घटना सरकार ने करवाई है, संभल की घटना मुद्दे को भटकाने के लिए हुई है।

गूगल मैप देखकर चल रहा था चालक

अधूरे पुल से नदी में गिरी कार, 3 की जान गई

बरेली, देशबन्धु। उत्तरप्रदेश के बरेली जिले में एक नदी पर बने अधूरे पुल के कारण एक कार नदी में जा गिरी। फरीदपुर थाना क्षेत्र स्थित रामगंगा नदी के पुल पर घटी इस घटना में कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई। घटना घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार खल्लपुर गांव के लोग रविवार सुबह रामगंगा के किनारे पहुंचे तो उन्होंने कार को पड़ा देखा। कार सवार 3 लोगों की मौत हो चुकी थी, उन्होंने ही पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि कार सवार लोग गूगल मैप के सहारे दातागंज की तरफ से खल्लपुर होते हुए फरीदपुर आ रहे थे। अधूरे पुल से कार नीचे जा गिरी, जिससे मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई। जब ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे मंजर देख दंग रह गए। कार के आसपास पानी खून से लाल हो गया था। तीनों मृतकों के शवों का फरीदपुर थाना पुलिस द्वारा ही पोस्टमार्टम कराया गया। मृतकों की शिनाख्त हो गई है। हादसे के मृतकों के नाम मैनपुरी निवासी कौशल कुमार, फर्रुखाबाद के विवेक कुमार व अमित की मौत हुई है। मृतक सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे और वह किसी शादी समारोह में शामिल होकर शार्ट कट रास्ते से बरेली होकर गाजियाबाद जा रहे थे।

आंध्र में बस-ऑटो की टक्कर, 7 मरे

अनंतपुर, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के गरल्डिने मंडल में थलागासपल्ले के पास एक आरटीसी बस और खेतिहर मजदूरों को ले जा रहे ऑटो के बीच टक्कर हो गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, कुट्टलुरू मंडल के नेल्लुट्ला गांव के 12 किसान मजदूर गार्ल्डिने में काम करने के लिए एक ऑटो में सवार होकर गए थे। वापस लौटते समय विपरीत दिशा से आ रही आरटीसी बस ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी।

राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया

हेमंत 28 को शपथ लेंगे

रांची, एजेंसी। झारखंड में 'इंडिया' ब्लॉक के नवनिर्वाचित विधायकों ने रविवार को एक बार फिर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख हेमंत सोरेन को नेता चुन लिया है। इसके बाद उन्होंने गठबंधन के नेताओं के साथ राजभवन पहुंचकर राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और नई सरकार बनाने के लिए दावा पेश किया। राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का दायित्व सौंपा है। हेमंत सोरेन ने राज्यपाल को 'इंडिया' ब्लॉक के नवनिर्वाचित 56 विधायकों की सूची सौंपी। संभावना जताई जा रही है कि वह नए सीएम के रूप में 28 नवंबर को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित किया जाएगा।

इसके पहले कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर गठबंधन के चार दलों झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा (माले) के विधायकों और नेताओं की बैठक हुई। इसमें नई सरकार की रूपरेखा और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख, स्थान और इस मौके पर अतिथियों के निमंत्रण आदि पर विचार-विमर्श हुआ। हेमंत सोरेन ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह राज्य की जनता के साथ-साथ गठबंधन के एक-एक कार्यकर्ता की जीत है। हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले ■ शेष पृष्ठ 8 पर

महाराष्ट्र में छगन ने भी ठोंका एनसीपी का दावा

अजित पवार भी बन सकते हैं मुख्यमंत्री

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में महायुति की जीत के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर संस्पेस बना हुआ है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता छगन भुजबल ने मुख्यमंत्री के पद पर दावा ठोंक दिया है। पार्टी की मीटिंग के बाद भुजबल ने कहा कि अजित पवार भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। भुजबल ने यह भी कहा कि उनका स्ट्राइक रेट अच्छा है।

41 सीटों पर जीत हासिल की

अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। फिलहाल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर एकनाथ शिंदे हैं। भाजपा के 132 सीटें हासिल करने के बाद देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें लग रही है, हालांकि एक दिन पहले महायुति की प्रेस कांफ्रेंस में तीनों नेताओं ने एक साथ इस पर चर्चा करने की बात कही थी, लेकिन भुजबल के ताजा बयान से सियासत गरमा गई है। चुनाव नतीजों के बाद रविवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नेताओं की मीटिंग हुई। बैठक के बाद एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा कि आज हमारे सभी विधायक बैठक में आए। सभी ने तय किया है कि अजित पवार विधानसभा में हमारा नेतृत्व करेंगे, लेकिन सीएम कौन होगा, तीनों पार्टियां मिलकर तय करेंगी।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 4 सौ पार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के स्तर ने चिंता बढ़ा दी है।

रविवार सुबह 7:30 बजे तक राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 366 अंक पर पहुंच गया था, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। इसके अलावा, दिल्ली एनसीआर के अन्य प्रमुख शहरों में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्थिति में रहा। दिल्ली से सटे शहरों की बात करें तो फरीदाबाद में एक्यूआई 309, गुरुग्राम में 240, गाजियाबाद में 312, ग्रेटर नोएडा में 304 और नोएडा में 309 अंक रहा। ये सभी शहर भी खराब श्रेणी में आते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे का संकेत देते हैं। दिल्ली के आठ प्रमुख इलाकों में एक्यूआई का स्तर 400 के ऊपर और 500 ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री के यूके दौरे की शुरूआत

प्रवासी भारतीयों और फ्रेंडस ऑफ एमपी के साथ करेंगे निवेश पर चर्चा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश पटल पर स्थापित करने के अपने अभियान को नई ऊंचाई देते हुए आज अपने बहुप्रतीक्षित यूके दौरे की शुरुआत की। इस दौरे का उद्देश्य प्रदेश में विदेशी निवेश को आकर्षित करना, वैश्विक औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना और प्रवासी भारतीयों को राज्य की प्रगति में सक्रिय भागीदार बनाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को सुबह ब्रिटिश संसद के लिए प्रस्थान करेंगे। यहां उनका स्वागत ब्रिटिश सांसद बैरोनेस (संदीप के वर्मा) करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, सांसद बैरोनेस वर्मा के साथ ब्रिटिश संसद का भ्रमण करेंगे। संसद भ्रमण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव पार्लियामेंट्री स्क्वायर, वेस्टमिंस्टर में प्रतिष्ठित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पहुंच कर उन्हें आदरांजलि समर्पित करेंगे। दोहपर में मध्यप्रदेश सरकार

ब्रिटिश संसद का करेंगे भ्रमण

द्वारा सेंट जेम्स कोर्ट, ताज होटल, एडवर्डियन में आयोजित भोज की मेजबानी करेंगे। दोपहर भोज में ब्रिटिश सांसद सुश्री बैरोनेस वर्मा, अशोक वर्मा, लॉर्ड कुलवीर सिंह, बॉब ब्लैकमैन और वीरेंद्र शर्मा के साथ ही ब्रिटिश प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्टेबल स्ट्रीट, लंदन स्थित किंग्स क्रॉस साइट का दौरा करेंगे। यहां प्रदेश के प्रशासनिक एवं व्यापार प्रतिनिधियों और फिक्की के डॉ. परम शाह और किंग्स क्रॉस प्रबंधनके सीईओ टॉम गुडॉल के साथ बैठक कर मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश के संबंध में चर्चा करेंगे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादवशाम को टेम्स नदी में क्रूज से जलीय पर्यटन करेंगे।

शाम 6 बजे बेडफोर्ड-वे, लंदन स्थित रॉयल नेशनल होटल में प्रवासी भारतीयों और फ्रेंडस ऑफ एमपी के साथ मध्यप्रदेश में निवेश संबंधी चर्चा करेंगे। चर्चा उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. यादव मेहमानों के लिए आयोजित रात्रि भोज की मेजबानी करेंगे।

मन की बात में बोले मोदी

प्रवासी भारतीयों की रगों में बसती है भारतीयता

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रवासी भारतीयों के अपनी जड़ों से गहरे जुड़ाव को रेखांकित करते हुए कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदायों की रगों में 'भारतीयता' बसती है। रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 116वें संस्करण में पीएम मोदी ने गयाना की अपनी यात्रा, ओमान में बसे भारतीयों और स्लोवाक भाषा को लेकर दिलचस्प वाकये सुनाए। उन्होंने श्रोताओं से अपील की कि वो विदेश में रह रहे भारतीयों से जुड़ी कोई ऐसी कहानी बताना चाहते हैं जिसमें विरासत की बात हो तो नमो ऐप पर साझा करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, परसों रात ही मैं दक्षिण अमेरिका के देश गयाना से लौटा हूं। भारत से हजारों किलोमीटर दूर, गयाना में भी, एक 'मिनी भारत' बसता है। आज से लगभग 180 वर्ष पहले, गयाना में भारत के लोगों को, खेतों में मजदूरी के लिए, दूसरे कामों के लिए, ले जाया गया था। आज गयाना में भारतीय मूल के लोग राजनीति, व्यापार, शिक्षा और संस्कृति के हर क्षेत्र में गयाना का नेतृत्व कर रहे हैं। गयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली भी भारतीय मूल के हैं, जो, अपनी भारतीय विरासत पर गर्व करते हैं। जब मैं गयाना में था, तभी, मेरे मन में एक विचार आया था - जो मैं 'मन की बात' में आपसे शेयर कर रहा हूं।

बच्चे नई तकनीक सीखें, विरासत बचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बच्चों का पुस्तकालयों से जुड़ कर नवीनता एवं रचनात्मकता की ओर बढ़ने तथा नवीन प्रौद्योगिकी के साथ साथ, हमारी विरासत एवं संस्कृति की खोज कर समाज के सामने लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, जो देश, जो स्थान, अपने इतिहास को संजोकर रखता है, उसका भविष्य भी सुरक्षित रहता है।

संसद के शीतकालीन सत्र की आज से शुरुआत

अडानी और मणिपुर का मुद्दा उठाएगा विपक्ष

रिजिजू ने कहा- सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि संसद सत्र से पहले सभी दलों के नेताओं के साथ सार्थक बातचीत हुई और सरकार हर विषय पर चर्चा कराने के लिए तैयार है लेकिन चर्चा शांतिपूर्ण ढंग से होनी चाहिए ताकि उसका लाभ भी हो।

संसद के सोमवार से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में विपक्ष ने उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप के साथ ही मणिपुर में हिंसा, उत्तर भारत में प्रदूषण की समस्या और रेल दुर्घटना जैसे मुद्दों पर

कांग्रेस पार्टी चाहती है कि अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े मुद्दे पर पहले चर्चा कराई जाए : **प्रमोद तिवारी,** कांग्रेस नेता

संसद में सबसे पहले चर्चा कराने की मांग की है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा , संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, एल मुरूगन और विभिन्न दलों के नेता सदन ने हिस्सा लिया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सरकार का मानना है कि लोकसभा और राज्यसभा में विषयों पर अच्छी तरह से चर्चा होनी चाहिए। सरकार हमेशा की तरह किसी भी विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है, अनुरोध केवल इतना है कि सदन अच्छी तरीके से चले। किसी भी विषय ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आईपीएल 2025 नीलामी

सबसे महंगे खिलाड़ी बने पंत, 27 करोड़ में लखनऊ ने खरीदा

जेद्दा, एजेंसी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। पंत को 27 करोड़ की रिकॉर्डतोड़ कीमत पर लखनऊ सुपरजायंट्स ने खरीदा है। इससे पहले श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी का पिछला रिकॉर्ड मिचेल स्टार्क के नाम था जिन्हें केकेआर ने 24.25 करोड़ रुपए की कीमत पर पिछले साल खरीदा था। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी का रिकॉर्ड कुछ ही मिनटों की देरी में दो बार टूट गया। सबसे पहले श्रेयस अय्यर ने स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा और उसके कुछ ही देर बाद ऋषभ पंत अय्यर को पीछे छोड़कर सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। दिल्ली कैपिटल्स ने पंत को नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था जिसके कारण उन्हें नीलामी में उतरना। लखनऊ तथा बेंगलुरु के बीच पंत के लिए जंग चल रही थी। अब बेंगलुरु और लखनऊ की यह जंग 9 करोड़ के ऊपर पहुंच गई थी। हैदराबाद भी इस जंग में शामिल हो गई।

लखनऊ और हैदराबाद के बीच यह भिड़ंत अब 18 करोड़ से ऊपर पहुंच गई है। 19.25 करोड़ के दांव के साथ अब पंत के लिए लखनऊ आगे निकल गई। हैदराबाद की टीम अब सोच विचार कर रही है बोली को लेकर। 20 करोड़ का दांव खेल दिया है हैदराबाद ने। लेकिन लखनऊ एक्सप्रेस रुकने का नाम नहीं ले रही है। और 20.75 करोड़ पर हैदराबाद रेस से बाहर हो गई है। दिल्ली ने आरटीएम का इस्तेमाल किया लेकिन लखनऊ ने पंत पर अंतिम दांव 27 करोड़ का खेला और दिल्ली के हटने के साथ ही अब पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए।

26.75 करोड़ में श्रेयस पंजाब किंग्स के हुए

रुपए की रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा। अय्यर पर पहला दांव कोलकाता नाइट राइडर्स ने खेला जिसके बाद पंजाब और कोलकाता में जंग शुरू हो गई। 7 करोड़ के बाद दिल्ली कैपिटल्स भी रेस में आ गई। अय्यर पहले दिल्ली कैपिटल्स का ही हिस्सा थे। दिल्ली और कोलकाता दोनों को कप्तान की दरकार है।

श्रेयस ने केकेआर को बनाया था चैम्पियन

अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 में चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़

पंजाब ने चहल को 18 करोड़ में खरीदा

पंजाब ने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को 18 करोड़ रुपए की कीमत पर खरीदा। पंजाब ने बांए हाथ के तेज भारतीय गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आरटीएम की बदौलत 18 करोड़ रुपए में अपने साथ बरकरार रखा। इस तरह चार भारतीय खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजी ने 89.75 करोड़ रुपए खर्च कर डाले। चहल आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे स्पिनर बन गए। पिछले सीजन में सबसे महंगे रहे स्टार्क को दिल्ली कैपिटल्स ने 11.75 करोड़ रुपए की कीमत पर खरीदा।

10 करोड़ में हैदराबाद के हुए शमी

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 करोड़ रुपए में अपने पास रखा। दिल्ली ने केएल राहुल को 14 करोड़ रुपए में अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को गुजरात ने 10.75 करोड़ में खरीदा। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर 15.75 करोड़ में गुजरात के हिस्से में गए। गुजरात ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा। दक्षिण अफ्रीका के ही तूफानी बल्लेबाज डेविड मिलर को लखनऊ ने 7.50 करोड़ रुपए में खरीदा। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन को बेंगलुरु ने 8.75 करोड़ रुपए में खरीदा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

एंजल ने पिता के देहांत के दो दिन बाद ही प्रतियोगिता में भाग लिया

इटारसी, देशबन्धु। विदिशा में हुई राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग की फुटबॉल टीम फाइनल मैच में विजेता रही। टीम में एंजल मसीह पिता राकेश मसीह एक मात्र इटारसी की खिलाड़ी थी, जिसने अपने पिता के देहांत के दो दिन

बाद ही नर्मदा पुरम संभाग की टीम में भाग लिया और टीम को विजय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के कोच संतोष यादव, राजेश बिलिया साथ थे। रेलवे बॉयज फुटबॉल क्लब के संचालक प्रीतम तिवारी, सचिव देवेंद्र खाड़े और सीनियर खिलाड़ी दीपक परदेसी, स्कूल स्पोर्ट्स अधिकारी विनोद दुबे, अंकुश मसीह, रवींद्र चौधरी, रेलवे बॉयज के खिलाड़ियों एवं इटारसी के सभी फुटबॉल खिलाड़ियों ने एंजल मसीह को एवं नर्मदापुरम संभाग की फुटबॉल टीम को जीत की बधाई दी।

सर्प मित्र ने पथरोटा डेरी फार्म से पकड़ा कोबरा सांप

इटारसी, देशबन्धु। सर्पमित्र आमिर कुरैशी ने बीती रात में 12 बजे करीब पथरोटा डेयरी फार्म से कोबरा प्रजाति के एक सांप का रेस्क्यू करके उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया है। आमिर को आशीष मेहरा ने

सूचना दी कि यहां डेरी फॉर्म में एक घर में सांप दिखाई रहे रहा है जिसके चलते पूरे घर में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंचे आमिर ने कोबरा प्रजाति के उस सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया है। सर्प मित्र आमिर कुरैशी और उनकी टीम ने जहरीला कोबरा सांप सुरक्षित रूप से पकड़कर जंगल छोड़ दिया है।

अवैध सागौन के साथ तीन चोरों को पकड़ा

इटारसी, देशबन्धु। बीती रात मुखबिर की सूचना पर वनपरिक्षेत्र इटारसी के रेंजर महेंद्र गौर ने अपनी टीम के

साथ नागपुर भट्टा ग्राम से तीन अवैध सागौन की चरपट ले जाते चोरों को गिरफ्तार किया। बीती रात 11 बजे वन विभाग की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। सागौन चरपट की कीमत 20 हजार रुपये है। इस घटना का मुख्य आरोपी अमित चौधरी निवासी नागपुर भट्टा और दो अन्य आरोपी भी शामिल हैं। आरोपियों की मोटरसायकल भी जब्त की है।

आबकारी विभाग ने 28 हजार की शराब के साथ एक को पकड़ा

इटारसी,देशबन्धु। आबकारी विभाग ने 28 हजार रुपए कीमत की शराब के पाव जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में आबकारी टीम द्वारा सूचना मिलने पर चामुंडा चौराहा इटारसी में पानी की टंकी के पास दबिश दी। यहां एक युवक के कब्जे में रखी दो बोरियों की तलाशी ली गई, जिसमें बोरियों के अंदर रखे हुए देशी शराब के 60 क्वार्टर एवं अंग्रेजी शराब के 131 क्वार्टर (देशी एवं अंग्रेजी शराब के कुल 191 क्वार्टर) विधिवत जब्त किए। मौके से आरोपी अमित पिता नारायण कुचबंदिया, उम्र 27 वर्ष निवासी भाट मोहल्ला, बालाजी मंदिर के पास इटारसी, को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण किया गया। उक्त कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक राजेश साहू, आरक्षक दुर्गेश पठारिया, विकास लोखंडे एवं नगर सैनिक रामावतार यादव शामिल रहे। आबकारी विभाग नर्मदापुरम द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान के अंतर्गत निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

विल्स क्लब ने जीता गुरुनानक कप का फाइनल मुकाबला

इटारसी, देशबन्धु। किंग्स इलेवन पंजाब, इटारसी द्वारा आयोजित श्री गुरुनानक कप टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला विल्स क्लब और केसीसी-11 के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर विल्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट खोकर

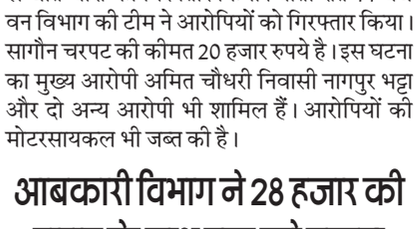

105 रन का लक्ष्य खड़ा किया। जवाबी पारी खेलते हुए केसीसी-11 की टीम 87 रन पर ही सिमट गई। विल्स क्लब ने यह मैच 18 रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अक्कू यादव रहे जिन्होंने लगातार चार गेंद पर चार विकेट प्राप्त किए। फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा नगर उपाध्यक्ष सन्नी छाबड़ा एवं मेहरबान सिंह चौहान ने विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरस्कार वितरण किया।

सांस्कृतिक साहित्यिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का रंगारंग समापन

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी में उच्च शिक्षा विभाग भोपाल मध्य प्रदेश के आदेश के परिपालन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तहत विविध साहित्यिकी, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का समापन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राकेश मेहता, साइबर सेल एक्सपर्ट डॉ आनंद चौरे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रश्मि तिवारी, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ व्हीके कृष्णा ने मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य डॉ.मेहता ने कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा एवं लोक परंपराओं को समझकर उन्हें विद्यार्थियों के जीवन में आत्मसात करना है। साथ ही लोक कला, लोक संस्कृति एवं प्राचीन ज्ञान के अद्भुत संगम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर साइबर सेल एवं पुलिस कंट्रोल रूम हरदा के आरक्षक आनंद कुमार चौरे ने डिजिटल साक्षरता पर अपना व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने फोन फिशिंग, टार्जन हॉर्स, फेक कॉल फेक मैसेज, साइबर किडनैपिंग, डिजिटल अरेस्ट, डीप फेंक आदि बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए इससे बचने के तरीके बताएं साथ ही साइबर जागरूकता

के अपने अनुभव साझा किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण, पोस्टर, निबंध, भारतीय संस्कृति के लोक नृत्य, लोकगीत एवं भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य रूप से आज भारतीय ज्ञान परंपरा पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दो चरणों में प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। इन विभिन्न प्रतियोगिताओं में निबंध प्रतियोगिता में मृदु पांडे एवं कृति पाल, लोक नृत्य में विशाल वर्मा एवं उदय सिंह, भाषण में तृप्ति ओमकार, कोमल मनवारे, निकिता पाल एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में रिमझिम चौहान, श्रद्धा यादव, निकिता ककाड़िया, अपर्णा एवं पोस्टर प्रतियोगिता में मनस्वी मलैया, तमन्ना श्रीवास, सुहानी उपाध्याय एवं समूह ज्ञान में अमित ग्रुप एवं दीक्षा ग्रुप विजेता रहे। इन विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्राचार्य ने प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। संचालन डॉ सौरभ पगारे एवं डॉ मनीष चौरे तथा आभार प्रदर्शन वरुण दुबे ने किया।

27 जनवरी से गांधी स्टेडियम में होगा क्रिकेट का महाकुंभ

इटारसी क्रिकेट संघ कराएगा ऑल इंडिया टूर्नामेंट

इटारसी, देशबन्धु। इटारसी क्रिकेट संघ की बैठक आज परशुराम भवन दूसरी लाइन में आयोजित हुई। बैठक में इटारसी में लेदर बॉल क्रिकेट को प्रमोट करने के लिए तय हुआ कि यहां स्कूली व कॉलेज के बच्चों के साथ युवाओं के लिए लोकल स्तर पर लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही ऑल इंडिया लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता भी कराई जाएगी।

अंडर-25 वर्ग की लोकल इटारसी स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 14 जनवरी से 19 जनवरी के बीच कराने का निर्णय हुआ है। साथ ही ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 27 जनवरी से गांधी स्टेडियम में प्रारंभ होगा। दोनों ही प्रतियोगिता इटारसी क्रिकेट संघ के सहयोग से नगरपालिका परिषद इटारसी के तत्वावधान में आयोजित होंगी। बैठक में संघ के अध्यक्ष सत्येंद्रपाल सिंह जग्गी, सचिव अमित कुमार जायसवाल, वरिष्ठ खिलाड़ी जितेंद्र ओझा, कुलभूषण मिश्रा, राकेश पांडेय, विनोद वारसे, राकेश दुबे, हरीश हनोतिया, बसंत चौहान सहित अन्य मौजूद थे। प्रतियोगिता कराने के संबंध में संघ के पदाधिकारियों की विधायक डॉ सीतासरन शर्मा और नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे से चर्चा हुई है। विधायक डॉ शर्मा ने सुझाव दिया है कि लोकल प्रतियोगिता को दिसंबर माह में कराएं, ताकि बच्चों को परीक्षा के वक्त समय मिले और शोरगुल भी न हो।

एनसीसी कैडेट्स ने थैलेसीमिया सिकल सेल रोग जागरुकता रैली निकाली

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी के एनसीसी विभाग ने एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में प्राचार्य डॉ राकेश मेहता एवं एनसीसी अधिकारी डॉ मनीष कुमार चौरे के नेतृत्व में थैलेसीमिया सिकल सेल्स बीमारी जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने इस गंभीर बीमारी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि थैलेसीमिया और सिकल सेल्स बीमारी दोनों ही रक्त संबंधी विकार हैं, जो एक वंशानुगत बीमारी है जिसमें शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होती है। इससे शरीर के विभिन्न अंगों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। बचाव और जागरूकता के लिए जेनेटिक काउंसलिंग करवाएं 'प्री-मैरिटल टेस्टिंग' से आपको अपने साथी में थैलेसीमिया या सिकल सेल्स बीमारी के खतरे के बारे में जानकारी मिल सकती है। यदि आपको थैलेसीमिया या सिकल सेल्स बीमारी है, तो नियमित जांच से आपको अपनी

सेहत की निगरानी करने में मदद मिल सकती है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से आपको थैलेसीमिया और सिकल सेल्स बीमारी के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। थैलेसीमिया और सिकल सेल्स बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने से लोगों को इन बीमारियों के खतरे के बारे में जानकारी मिल सकती है और वे अपनी सेहत की निगरानी कर सकते हैं।

एनसीसी कैडेट्स का नागरिकों को संदेश- थैलेसीमिया और सिकल सेल्स बीमारी से बचाव और जागरूकता के लिए हमें एक साथ मिलकर काम करना होगा। हमें अपने परिवार, समाज और समुदाय में जागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग इन बीमारियों के खतरे के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी सेहत की निगरानी कर सकें। आइए हम थैलेसीमिया और सिकल सेल्स बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक साथ मिलकर काम करें। जागरूकता रैली में एनसीसी कैडेट्स और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया रैली नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई सरदार पटेल की प्रतिमा स्थल पर समापन किया गया। कैडेट्स द्वारा 'रक्तदान महादान,' 'थैलेसीमिया से लड़ रहे लोगों का साथ दें, आओ हम सब मिलकर इस बीमारी को मात दें' के नारे लगाकर नगर के लोगों को जागरूकता का संदेश दिया।

नपाध्यक्ष ने जनता से कहा- कचरा गाड़ी आती है तो नाले में कचरा क्यों डालते हो?

इटारसी, देशबन्धु। सुबह करीब 8.30 बजे, वार्ड क्रमांक 01, में सीएम राइज स्कूल निर्माण के पास पहुंचे नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने यहां जनता से पूछा, कचरा गाड़ी आती है? जबाव मिला हां, तब नपाध्यक्ष ने जनता से कहा तो नाले में कचरा क्यों डालते हो, ऐसा नहीं करें।

दरअसल, यहां निरीक्षण के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष को नाले में घर से निकलने वाला कचरा दिखा। इसके बाद उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे नाले और आसपास खाली प्लाट में कचरा नहीं डालें। उन्होंने साथ ही कहा कि कचरा गाड़ी नहीं आए तो सूचित करें। साथ ही मौजूद नागरिकों ने कहा कि यह कचरा आसपास के घरों का ही है, क्योंकि कोई भी अनजान व्यक्ति को अपने घर के आसपास कचरा नहीं डालने देता। निरीक्षण के दौरान पार्षद दिलीप गोस्वामी, सफाई विभाग सुपरवाइजर सुदेश महोरिया, प्रदीप अहिरवार, बदामीलाल केवट सहित अन्य मौजूद थे। इसके पहले सुबह 8 बजे नपाध्यक्ष श्री चौरे ने स्वयं के वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड सुपरवाइजर पप्पू मालवीय को नाली सफाई के निर्देश दिए। नीलकंठ दाल मिल के पीछे वाले कचरे अड्डे को उठाने के निर्देश दिए।

कार्यकर्ताओं के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रत्येक रविवार को प्रसारित होने वाला मन की बात प्रोग्राम आज नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ सुना। बूथ क्रमांक 191 पर

कार्यकर्ता दिलीप पटेल के निवास पर मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवा शक्ति के संदर्भ में दिए वक्तव्य को सुना। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के साथ जिला संगठन महामंत्री मुकेशचंद्र मैना, प्रशांत चौरे, संजय कुमार, संदीप सोनकर, श्रीयांक तिवारी, वरूण राजपूत, आशीष मालवीय, राघव पटेल, राहुल चौरे आदि उपस्थित थे।

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल ने वार्षिक खेल दिवस मनाया

इटारसी, देशबन्धु। एमजीएम हायर सैकंड्री स्कूल में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। स्कूल के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चो का जोश और उत्साह देखा गया।

दिन की शुरुआत मुख्य अतिथि, एचजी एलेक्सियोस मार यूसेबियस, अतिथि रेव्ह. के स्वागत के साथ हुई। फादर एमजे मैथ्यू और अन्य गणमान्य व्यक्ति, बिशप ने झंडा फहराया और मशाल जलाई, जिसके बाद छात्रों ने एक मार्च पास्ट किया। मैनेजर बिशप ने चरित्र निर्माण और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व पर जोर दिया। छात्रों ने अपने कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न ट्रैक और फील्ड कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रिंसिपल रेव्ह. फादर शैजू फिलिप ने सभी का स्वागत किया और आयोजन समिति को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद दिया। उप प्राचार्य अनुराग दीवान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। खेल प्रभारी श्री थॉमस मैथ्यू के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम उच्च स्तर पर संपन्न हुए, जिससे छात्रों और शिक्षकों के बीच समुदाय और खेल कौशल की भावना को बढ़ावा मिला।

अनिल परते स्मृति अंडर-18 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता शुरु

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम डिवीजन क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अनिल परते स्मृति अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर 18 का उद्घाटन मुख्य अतिथि कपिल फौजदार एवं सुब्बू नागासुब्रमण्यम अय्यर (अमेरिकन क्रिकेट प्रीमियर लीग, शिकागो) ने किया।

नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के मानसेवी सचिव अनुराग मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता का पहला मैच नर्मदापुरम जिला एवं हरदा जिला के मध्य प्रारंभ हुआ जिसमें नर्मदापुरम टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और प्रथम पारी में पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 104 रनों पर ऑल आउट हुई। हरदा टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए लव दुबे ने 28 प्रियव्रत पटेल ने सर्वाधिक 25 रन का योगदान दिया। हरदा की ओर से

गेंदबाजी करते हुए वंश जाट ने सर्वाधिक 4 विकेट, अक्षत सोलंकी ,ध्रुव चौरे,अनुपम गीते ने 2-2 विकेट लिए। हरदा टीम ने प्रथम पारी में बल्लेबाजी करते हुए आज के दिन के खेल के समाप्त होने तक 5 विकेट खोकर 112 रन बना लिए थे। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए ऋषभ राठौर 14 रन बनाकर नॉट आउट खेल रहे हैं। नर्मदापुरम की ओर से युवराज पटेल, जयजीत गुप्ता, ने 1-1 विकेट लिए। उद्घाटन के अवसर पर राजेश चौरे, योगेश परसाई, कुलभूषण मिश्रा, मनोहर बिलथरिया, दिलीप नामदेव, संजय यदुवंशी, अनंत तिवारी, सुनील शर्मा, सुमित परदेशी, अर्पण दुबे, वर्षा पटेल, शैलेंद्र सिंह पवार, आकाश चौरे आदि उपस्थित थे। मैच में अंपायर की भूमिका सुनील कलोसिया तथा विष्णु बोरासी ने निभाई, स्कोरर गजेन्द्र सलोकी हैं।

सैन्य अधिकारियों ने किया सेंट्रल स्कूल के बच्चों का मार्गदर्शन

इटारसी, देशबन्धु। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 सीपीई इटारसी में सैन्य अधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों को कॅरियर से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया। साइकिल यात्रा के द्वारा सैन्य अधिकारियों के एक दल का विद्यार्थियों को कॅरियर से संबंधित

मार्गदर्शन हेतु विद्यालय में आगमन हुआ। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुभाष चंदर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सैन्य दल के मुखिया ले. अभिजीत श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने के लिए उत्साहित करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ले. अभिजीत श्रीवास्तव ने सेना में भर्ती से संबंधित विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को अपने ज्ञान व कौशल से शांत किया। अंत में प्रभारी प्राचार्य सुभाष चंदर ने सभी सैन्य अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्नत कृषि यंत्रों के माध्यम से कृषि क्षेत्र में पाई सफलता

प्रगतिशील किसान हेमंत दुबे बेहतर नरवाई प्रबंधन कर पर्यावरण को भी पहुंचा रहे लाभ

इटारसी, देशबन्धु। यहां के ग्राम जमानी के प्रगतिशील किसान हेमंत दुबे ने उन्नत कृषि यंत्रों और नवीन तकनीकों को अपनाकर, न केवल अपनी उपज में उल्लेखनीय वृद्धि की है, बल्कि पर्यावरण-हितैषी खेती के लिए एक नया मानक भी स्थापित किया है। उनके द्वारा उपयोग किए कृषि यंत्रों में सुपरसीडर, राईस ट्रांसप्लांटर, रिज एण्ड फरो सीडड्रिल, डिस्कहेरो और एमबी प्लाउ शामिल हैं, जिन्होंने उनकी खेती की उत्पादकता और पर्यावरणीय प्रभाव को सकारात्मक रूप से बदल दिया है। ग्राम जमानी के किसान हेमंत दुबे द्वारा खेती में किए जा रहे उन्नत तकनीक एवं यंत्रों के प्रयोग से खेती में सफलता प्राप्तकरने पर आसपास के किसान भी प्रेरित हुए हैं। अब किसान नरवाई जलाने के बजाए सुपर सीडर यंत्र का प्रयोग कर नरवाई का बेहतर प्रबंधन कर रहे हैं जिससे पर्यावरण को लाभ पहुंच रहा है, साथ ही मिट्टी को लाभ पहुंचाने वाले जीवांश एवं कीट सुरक्षित रह रहे हैं जो मिट्टी को उर्वरकता

प्रदान करते हैं। नरवाई न जलाने से आसपास का वातावरण भी शुद्ध रहता है।

हेमंत दुबे ने नरवाई जलाने के बजाय, सुपरसीडर मशीन का उपयोग कर फसल अवशेषों का प्रबंधन किया, जिससे न केवल भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ी, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा। इस मशीन की सहायता से समय और पैसे की बचत होती है, साथ ही वायु प्रदूषण भी कम होता है। यह मशीन भूमि में जीवांश को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे दीर्घकालिक फसल उत्पादन में सुधार होता है।

प्रमुख कृषि उपाय और उनके लाभ

नरवाई प्रबंधन : हेमंत दुबे ने पराली जलाने की परंपरा को छोड़कर, उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग करते हुए नरवाई प्रबंधन को अपनाया। यह पर्यावरण की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण कदम है।

पोषक प्रबंधन : समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन के तहत, फसल अवशेषों का सुपरसीडर एवं पूसा डी-कम्पोजर से विघटन किया जाता है। इसके अलावा, जैव उर्वरकों का बीज उपचार कर भूमि में पोषक तत्वों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाता है।

फसल सुरक्षा : समन्वित कीट एवं व्याधि प्रबंधन पद्धतियों का पालन करते हुए, फसल सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

सिंचाई प्रबंधन : जीरो लेंड लेजर लेबलर से भूमि को समतल कर, 1-1 एकड़ की रकबे बंड तैयार की जाती है। इसके बाद स्वनिर्मित तालाब से सिंचाई जल का उपयोग किया जाता है, जिससे जल की बचत होती है और सिंचाई के लिए अधिक जल की आवश्यकता नहीं पड़ती।

सुपरसीडर मशीन की प्रमुख विशेषताएं

नरवाई प्रबंधन : यह मशीन नरवाई जलाने के बजाय उसे भूमि में समाहित करती है, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है और भूमि की उर्वरक क्षमता में वृद्धि होती है।

भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ाना : सुपरसीडर भूमि में फसल अवशेषों को समाहित कर उसकी उर्वरक क्षमता को बढ़ाती है।

समय और लागत की बचत : यह मशीन समय और मेहनत की बचत करती है, जिससे किसानों का खर्च कम होता है।

पर्यावरण सुरक्षा : यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना कृषि कार्यों को सुधारती है और प्रदूषण को कम करती है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

नवागत आईजी ने हरदा जिले का निरीक्षण किया

हरदा, देशबन्धु। नवागत आईजी नर्मदापुरम जोन मिथिलेश कुमार शुक्ला ने हरदा जिले का निरीक्षण किया। इस अवसर पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे ने पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया। आईजी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में मिटिंग आयोजित की गई । जिसमें अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए । इस निरीक्षण के दौरान, उन्होंने अवैध रूप से गांजा, एमडी ड्रग्स, अवैध शराब का कारोबार करने वालों, अवैध तरीके से गौवंश की तस्करी, जुआ, सट्टा तथा सायबर अपराध जैसे ऑन लाईन ठगी, के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान, आईजी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता के साथ मिलकर काम करें और उनकी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करना चाहिए। मिटिंग में होशंगाबाद रेंज डीआईजी प्रशांत खरे, अति. पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति, अति. पुलिस अधीक्षक राजेश्वरी महोबिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अर्चना शर्मा , थाना प्रभारी सिविल लाईन संतोष चौहान , यातायात थाना प्रभारी संदीप सुनेश , रनि. रजनी गुर्जर , एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे ।

महिला सशक्त वाहिनी की बालिकाओं को फिजीकल ट्रेनिंग दी

हरदा । कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में महिला बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत संचालित महिला सशक्त वाहिनी कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। शनिवार एवं रविवार को महिला सशक्त वाहिनी की बालिकाओं को नेहरू स्टेडियम हरदा में सुबह 8 बजे से फिजिकल ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान छात्राओं ने दौड़, गोला फेंक, लंबीकूद, रस्सीकूद एवं अन्य सामान्य गतिविधियों में भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने बताया कि महिला सशक्त वाहिनी अभियान की कक्षाओं का उद्देश्य अधिक से अधिक बालिकाओं का पुलिस भर्ती में चयन कराना है । उन्होंने बताया कि छात्राएं नियमित रूप से सोमवार से शुक्रवार तक सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य बुद्धि एवं मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान विषय से संबंधित तैयारी बाल गृह भवन हरदा में करती हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री त्रिपाठी ने बताया कि क्लास में 70 छात्राओं का पंजीयन हो गया है। समय समय पर जिले के अधिकारी मार्ग दर्शन देने के लिए क्लास में आते हैं। इन छात्राओं को जिला प्रशासन द्वारा हर तरह से मदद की जा रही है ताकि ये छात्राएं लिखित व फिजिकल दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर सकें एवं सफल हो सकें। इन छात्राओं के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन इसी सप्ताह किया जाएगा।

अब एकल परिवार हो गये है, यह पश्चात संस्कृति का प्रभाव है- वीरसागर

हरदा, देशबन्धु। आज मनुष्य स्वार्थी हो गया है, केवल अपने बारे में सोचने लगा है । इसलिए संयुक्त से एकल परिवार में जीवन जी रहा है ओर दुखी हो रहा है । हमें आवश्यक है आज फिर से एकल से संयुक्त परिवार होने का, स्वार्थ छोड़कर सर्वजन हिताय का भाव रखना होगा तभी जीवन सुखी हो पायेगा। जो छोटी मानसिकता में जी रहे है वो मैं मैं करते है, ओर जो अपनी मानसिकता बदलकर हम में जीता है वह सुखी हो जाता है । उक्त उद्गार दिगम्बर जैन संत निर्यापक श्रमण मुनि वीरसागर ने रविवार को श्री विद्या निलयम परिसर में मंगलमय धर्मसभा में व्यक्त किये। जैन समाज के उपाध्यक्ष प्रदीप अजमेरा एवं कोषाध्यक्ष राजीव रपरिया ने बताया कि धर्म सभा में मुनि वीरसागर के प्रवचन सुनने नगर के वरिष्ठ और गणमान्य नागरिक पहुंचे थे। जैन समाज द्वारा पधारे जैनेत्तर समाज के नागरिकों से आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन करवा कर कार्यक्रम प्रारंभ किया । सभी उपस्थित लोगों ने मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशिर्वाद प्राप्त किया तथा अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। मुनिश्री वीरसागरजी के सानिध्य में आज हरदा दिगम्बर जैन समाज के इतिहास में प्रथम बार समस्त प्राणियों के सुख समृद्धि ओर खुशहाली के लिए भगवान के 1008 नामों के साथ वृहद शांतिधारा मंदिरजी की तीनों प्रमुख वेदियों तीन - तीन परिवारों द्वारा की गई जिसमें पवन सिंघई, सुरेन्द्र जैन, पूनमचंद लहरी, प्रदीप अजमेरा, रविंद्र, सुशील, अजीत, राज रपरिया, संजय बजाज, यतेन्द्र अजमेरा, मुकेश सचिन बकेबरिया, रितेश, राहुल, रूपेश गंगवाल आदि परिवारों को सौभाग्य प्राप्त हुआ । श्रीजी को स्वर्ण छत्र अर्पित करने का सौभाग्य राजेश सतीश सिंघई एवं हिमांशु चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ । वहीं मंदिरजी के शिखर पर धर्म ध्वजा का सौभाग्य पूनमचंद, चेतन लहरी परिवार को प्राप्त हुआ । प्रवचन में समवशरण महामंडल विधान हर्ष और उल्लास से पूर्ण करवाने पर बाल ब्रम्हचारी चिद्रूप भैयाजी का अभिनंदन किया।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन 2 दिसम्बर से

जिले में 62 धान उपार्जन केन्द्र निर्धारित

नर्मदापुरम,देशबन्धु। उप सचिव, म.प्र.शासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा जारी उपार्जन नीति एवं निर्धारित स्क्क अनुसार खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु जारी निर्देशों के परिपालन में 2 दिसम्बर से 20 जनवरी तक जिले में धान उपार्जन का कार्य संपादित किया जाना है। तत्संबंध में कलेक्टर सोनिया मीना के आदेशानुसार धान उपार्जन केन्द्रों एवं उपार्जन संस्थाओं के निर्धारण हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में गठित खण्डस्तरीय उपार्जन समिति से प्राप्त प्रस्तावों पर परीक्षण उपरांत जिला स्तरीय उपार्जन समिति से अनुमोदित प्रस्ताव अनुसार जिले में 62 धान उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए गए है।

जारी आदेशानुसार उपार्जन केन्द्र कृषि उपज मंडी नर्मदापुरम के लिए खरीदी संस्था नर्मदांचल विपणन सहकारी संस्था मर्यादित होशंगाबाद को निर्धारित किया गया है। इसी तरह महाबीर वेयरहाउस ग्राम सांवलखेड़ा के लिए वृहताकार सेवा सहकारी सांवलखेड़ा को, एच.एल. अग्रवाल वेयरहाउसिंग काम्प्लेक्स ग्राम रैसलपुर के लिए सेवा सहकारी समिति कान्द्राखेडी को, नवज्योति वेयरहाउस ग्राम निटाय के लिए सेवा सहकारी समिति रायपुर को, मे. संपदा वेयरहाउस ग्राम उन्द्राखेडे के लिए सेवा सहकारी समिति बुधवाडा दुगारिया को, रघुवीर वेयरहाउस ग्राम डोलरिया के लिए सेवा सहकारी समिति सेमरीखुर्द को, शिव वेयरहाउस ग्राम आंवरी के लिए सेवा सहकारी समिति डोलरिया को, लक्ष्मी विनायक वेयरहाउस ग्राम सुपरली के लिए, बृहताकार सेवा सहकारी सांवलखेडा को, माँ गीता वेयरहाउस ग्राम डूडूगाँव के लिए सेवा सहकारी समिति गुनौरा को, माँ नर्मदा वेयरहाउस ग्राम बरन्डूआ के लिए सेवा सहकारी समिति गुनौरा को, स्क्क्ष्ट बानापुरा 24 के लिए विपणन सहकारी समिति मर्या. बानापुरा को, क्क्ष्ल हथनापुर 10 के लिए सेवा सहकारी समिति खपरिया को, रौनक एसोसिएट्स नन्दरवाडा 60 के लिए आदिम जाति सहकारी समिति नन्दरवाडा को, सोम्य श्री वेयरहाउस रावनपीपल के लिए सेवा सहकारी समिति धामनिया को, कलवानी वेयरहाउस धरमकुण्डी के लिए सेवा सहकारी समिति बानापुरा (तोरनिया) को, जानकी वेयरहाउस मलकाखेडी के लिए वृहत्ताकार सहकारी समिति शिवपुर को, संस्कार एग्रो पार्क खुटवासा के लिए वृहत्ताकार सहकारी समिति बधवाडा को, श्री जय दुर्गे वेयरहाउस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर पिपलियाकलां के लिए सेवा सहकारी समिति पिपलियाकला को, स्क्क्ष्ट इटारसी गोदाम क्रमांक 16 के लिए सेवा सहकारी समिति घाटली को, स्क्क्ष्ट पवारखेड़ा गोदाम क्रमांक 20 के लिए सेवा सहकारी समिति रैसलपुर को, मीना वेयरहाउस केसला के लिए आदमजाति सेवा सहकारी समिति केसला को, सयमतरतन लाल वेयरहाउस बोरतलाई के लिए वृहताकार सेवा सहकारी समिति इटारसी को, एवरेस्ट वेयरहाउस 3 जमानी के लिए आदमजाति सेवा सहकारी समिति जमानी को, सत्याग्रह डेरिया वेयरहाउस माखन नगर के लिए सेवा सहकारी समिति बाबई को, महावीर वेयरहाउस समूह 30 के लिए सेवा सहकारी समिति बागरा तवा माखन नगर को, शिवांश वेयरहाउस फुरताला ताल केसरी के लिए सेवा सहकारी समिति बागलखेड़ी माखन नगर को, साकेत वेयरहाउस आंखमऊ 43 के लिए सेवा सहकारी समिति आरी माखन नगर को, उमंगश्री वेयरहाउस 67 के लिए सेवा सहकारी समिति सांगाखेड़ा कला माखन नगर 01 को, बालाजी वेयरहाउस मोहासा के लिए सेवा सहकारी समिति सांगाखेड़ा कलां माखन नगर 02 को, श्री राधे वेयरहाउस 09 के लिए सेवा सहकारी समिति आंचलखेड़ा माखन नगर को, बाबा वेयरहाउस 32 के लिए सेवा सहकारी समिति आंखमऊ माखन नगर को, राजपूत एग्रो इन्फ्रा वेयरहाउस 59 के लिए, सेवा सहकारी समिति सिरवाड माखन नगर को, विभूति वेयरहाउस के लिए सेवा सहकारी समिति माखन नगर को, जयंती सीड्स और प्रोसेसिंग 61 के लिए सेवा सहकारी समिति बहारपुर माखन नगर को, एमपीडब्ल्यूएलसी सेमरी हरचंद 29 के लिए, वृताकार सेवा सहकारी समिति सेमरी हरचंद को, सत्यम वेयरहाउस ग्राम किबलारी के लिए आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सुहागपुर को, सीडब्ल्यूसी सोहागपुर के लिए सेवा सहकारी समिति खपरिया को, रघुवंशी वेयरहाउस करनपुर के लिए सेवा सहकारी समिति सोसरखेड़ा को, बालाजी वेयरहाउस बरवानी के लिए सेवा सहकारी समिति खिड़िया को, एमपीडब्ल्यूएलसी दिकवाड़ा 01 के लिए सेवा सहकारी समिति चंदेरी को, साबी वेयरहाउस भूखेड़ी खुर्द के लिए सेवा सहकारी समिति रानी पिपरिया को, रघुवंश वेयरहाउस ग्राम बरुआ थाना के लिए सेवा सहकारी समिति शोभापुर को, शिवशक्ति वेयर हाउस 122 तरोनकलां के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति तरोनकला को, श्री कृष्णा वेयरहाउस गोंक्र 96 बी ग्राम घोघरी के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति देवगांव को, इंद्रेश वेयरहाउस गोक्र 123बी ग्राम सांडिया के लिए, कृषक सेवा सहकारी समिति सांडिया को, मे. हेमलता एग्रो वेयरहाउस गोक्र 120 ग्राम पुनौर के लिए सेवा सहकारी समिति धनाश्री संखिनि को, मे. इशिता वेयरहाउस गोक्र 60 ए ग्राम राईखेड़ी के लिए, कृषक सेवा सहकारी समिति खापरखेड़ा को, समृद्धि एग्रो फूड गोक्र 107 ग्राम खापरखेड़ा बरेली रोड पिपरिया के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति गाडाघाट को, मे. सौरव वेयरहाउस गोक्र 124 ए ग्राम सेमरीरंधीर के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति रामपुर को] बनखेड़ी एसडब्ल्यूसी 3 के लिए सेवा सहकारी समिति ईशरपुर केंद्र क्रमांक 1 को, मछेराकलां एसडब्ल्यूसी 03 के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति मालहनवाडा केंद्र क्रमांक 01 को, मछेराकलां एसडब्ल्यूसी 5 के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति मलहनवाडा केंद्र क्रमांक 2 को, समनापुर एसडब्ल्यूसी 14 के लिए सेवा सहकारी समिति उमरधा को, समनापुर एसडब्ल्यूसी 03 के लिए सेवा सहकारी संस्था चांदौन केंद्र क्रमांक 01 को, गायत्री वेयरहाउस 18 पीएमएस के लिए कृषक सेवा सहकारी समिति बनखेड़ी केंद्र क्रमांक 1 को, श्री गणपति वेयरहाउस 20 पीएमएस के लिए सेवा सहकारी संस्था चांदौन केंद्र क्रमांक 2 को, गोपाल वेयरहाउस 9 एसपीएमएस के लिए सेवा सहकारी समिति ईश्वरपुर केंद्र क्रमांक 2 को, अनंतश्री वेयरहाउस 11 एवी के लिए सेवा सहकारी समिति मर्यादित दहलवाडा केंद्र क्रमांक 1 को, अथर्व वेयरहाउस 19 के लिए सेवा सहकारी समिति मर्या. दहलवाड़ा केंद्र क्रमांक 2 को, पवनसुत वेयरहाउस ग्राम पलिया पिपरिया के लिए सेवा सहकारी समिति पलिया पिपरिया केंद्र क्रमांक 2 को, मंडी प्रांगण बनखेड़ी के लिए, किसान विपणन एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या. बनखेड़ी को एवं उपार्जन केन्द्र सिद्धि विनायक वेयरहाउस बाचावानी के लिए खरीदी संस्था सेवा सहकारी समिति पलिया पिपरिया केंद्र क्रमांक 1 को निर्धारित किया गया है। कलेक्टर सोनिया मीना ने सर्व संबंधितो को निर्देशित किया है कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु जारी उपार्जन नीति एवं निर्धारित स्क्क अनुसार 2 दिसम्बर से 20 जनवरी तक जिले में धान उपार्जन का कार्य संपादित किया जाना सुनिश्चित करें।

श्रीगुरु जम्भेश्वर मंदिर में हवन व जाम्भाणी हरिकथा 27 नवंबर से

आचार्य डा. गोवर्धनराम शिक्षा शास्त्री कथा को संबोधित करेंगे

हरदा, देशबन्धु। नीमगांव स्थित क्षेत्र के प्रसिद्ध श्रीगुरु जम्भेश्वर मंदिर में 27 नवंबर से हवन और जाम्भाणी हरिकथा एवं शब्दवाणी यज्ञ के साथ अगहन महोत्सव की शुरुआत होगी। इसके लिए मंदिर का आकर्षक रंग रोगन कर सजाया गया है। इस आयोजन में विश्नोई संत आश्रम नेमावर के महंत स्वामी भगवानप्रकाश व श्रीगुरु जम्भेश्वर मंदिर नीमगांव के महंत स्वामी हनुमानदास महाराज का सानिध्य प्राप्त होगा। मध्यक्षेत्र विश्नोई सभा के सचिव पूनमचंद पंवार ने बताया कि मंदिर में अगहन महोत्सव की तैयारियां कई दिनों से जारी है। समाज का अगहन महोत्सव का शुभारंभ 27 नवंबर को सुबह साढ़े 7 बजे हवन यज्ञ के साथ होगा। 1 दिसंबर तक प्रतिदिन सुबह साढ़े सात बजे से हवन यज्ञ किया जाएगा। 27 नवंबर से ही दोपहर डेढ़ बजे से आचार्य संत डा. गोवर्धनराम शिक्षा शास्त्री के मुखारविंद से जाम्भाणी हरिकथा का शुभारंभ किया जाएगा। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर डेढ़ बजे से शाम साढ़े 4 बजे तक किया जाएगा। सचिव पवार ने बताया कि 1 दिसंबर को कथा की पूर्णाहुति होगी। इसी दिन अगहन महोत्सव का समापन होगा और प्रसादी बांटी जाएगी। 30 नवंबर सुबह 10 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे। इसमें समाज के 10 वर्ष के बच्चों के लिए मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। 30 नवंबर शाम 6 बजे से मंदिर से भगवान जम्भेश्वर की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गो होती हुई पुनः मंदिर में समाप्त होगी। इस दौरान शोभायात्रा का गांव में जगह जगह समाज के लोग फूल वर्षाकर व पूजा अर्चना कर स्वागत करेंगे। 30 नवंबर की रात 9 बजे से मंदिर में रात्रि जागरण का कार्यक्रम किया जाएगा। सचिव पवार ने बताया कि प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एवं उच्च शिक्षा के अलावा खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले समाज के खिलाड़ियों का भी सम्मान किया जाएगा। समाज के अध्यक्ष आत्माराम पटेल व कोषाध्यक्ष श्यामलाल बाबल ने समाज के लोगों से हवन यज्ञ और जाम्भाणी कथा में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

वन समितियां का प्रशिक्षण सह जागरूकता एवं खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हरदा, देशबन्धु। वन विभाग के निर्देश अनुसार संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को प्राप्त लाभांश की राशि से वन समितियों का प्रशिक्षण सह जागरूकता एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन परिक्षेत्र रहटगांव अंतर्गत वनग्राम केलझिरी में किया गया जिसमें वनग्राम आमसागर ,सिंघनपुर ,गाँगरधाना , बड़वानी, केलझिरी, गोराखाल, एवं खुमी की वन समितियों के सदस्य एवं कबड्डी टीम उपस्थित रही। वन समितियों के सदस्यों के साथ वनों एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा एवं अग्नि से बचाव के विषय पर चर्चा की गई। साथ ही कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन हेतु सभी समितियों से आई हुई कबड्डी टीमों को कबड्डी की किट प्रदान की गई। इसमें प्रत्येक खिलाड़ी को टी शर्ट एवं निकर प्रदान किए गए। कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान बड़वानी की टीम ने प्रथम स्थान गांगराधाना की टीम ने द्वितीय स्थान एवं गोराखाल की टीम में तृतीय स्थान प्राप्त किया । प्रथम स्थान पर आई टीम को राशि 5000 नगद एवं ट्रॉफी द्वितीय स्थान पर आई टीम को राशि 3000 नगद एवं ट्राफी तथा तृतीय स्थान पर आई टीम को राशि 2000 नगर एवं ट्रॉफी प्रदान किए गए ।

ग्राम बमुरिया सहित सुपनली माईनर टेल एरिया में पहुंचा नहर का पानी

नर्मदापुरम,देशबन्धु। डोलरिया के ग्राम बमुरिया सहित सुपरली माईनल टेल क्षेत्र में तवा नगर का पानी पहुंच चुका है। ईई जल संसाधन विभाग श्री अंकित सराफ ने बताया कि अधिकारियों की कड़ी मेहनत से बमुनिया सहित सुपरिया माईनल के टेल एरिया में 14 नवंबर से तवा का पानी नहरों में पानी आना शुरू हो गया है जो अभी भी आ रहा है। नहर में भरपूर मात्रा में पानी प्रवाहित किया जा रहा है। किसानों ने पलेवा करना भी शुरू कर दिया है, गांव वालों ने कहा कि पानी मिलने से अच्छी पैदावार होगी। सभी ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

हम होंगे कामयाब अभियान आज से

बैतूल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान 'हम होंगे कामयाब' 25 नवम्बर से 10 दिसंबर तक चलाया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया 25 नवंबर को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर से प्रातः10 बजे करेंगी। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने इस अभियान के सफल और सुचारू क्रियान्वयन के संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री गौतम अधिकारी ने बताया कि जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के तहत शौच के लिए जाते समय महिलाओं के उत्पीड़न के मामलों की पहचान कर ऐसे परिवारों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय स्वीकृत किए जाएंगे। ऐसे परिवारों को तत्काल शौचालय स्वीकृत करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। विकासखण्ड पर महिलाओं के लिए सामुदायिक शौचालय निर्माण कराए जाएंगे। सभी शासकीय कार्यालयों में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम अंतर्गत आंतरिक परिवाद समितियों का गठन किया जाएगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के तहत सभी स्कूल वाहनों के चालकों का चरित्र सत्यापन कराया जाएगा। हम होंगे कामयाब अभियान के तहत सामुदायिक महिला शौचालयों का सुधार व रखरखाव कर उन्हें क्रियाशील बनाया जाएगा। ऐसे डार्क स्पॉट स्थानों का चिन्हांकन किया जायेगा जहाँ पर महिलाओं के प्रति अधिक अपराध घटित होते है। इन स्थानों पर यथा सम्भव सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे एवं पुलिस गश्त बढ़ाई जायेगा । विभिन्न विभागों द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायतार्थ विभिन्न एप एवं हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार प्रसार कर उनका प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

अभियान के तहत स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी कौशल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग एवं ऐसे विभाग जहां पर महिला एवं बच्चों की भागीदारी अधिक संख्या में है, उनका सुरक्षा ऑडिट कराया जाएगा। प्रत्येक सार्वजनिक परिवहन वाहन में पैनिक बटन लगवाना सुनिश्चित किया जाएगा प्रत्येक सार्वजनिक परिवहन वाहन के ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर का पुलिस वेरिफिकेशन के लिए कार्रवाई की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह ड्राइवर कंडक्टर और क्लीनर अपराधिक प्रवृत्ति के तो नहीं है और इनके विरूद्ध कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज तो नहीं है। परिवहन विभाग द्वारा स्कूलों, कॉलेजों एवं आईटीआई में शिविर आयोजित कर पात्र महिला, बच्चियों को ड्रायविंग लायसेंस निशुल्क प्रदाय किए जाएंगे ।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने सीखे आनंद के गुर

राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित अल्प विराम कार्यक्रम में आत्मचिंतन और जीवन संतुलन पर हुआ संवाद

बैतूल, देशबन्धु। जनपद पंचायत बैतूल के सभागृह में रविवार 24 नवंबर को मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय अल्प विराम कार्यक्रम में लगभग 70 छात्र-छात्राओं और मेंटर्स ने हिस्सा लिया। लाइफ बैलेंस शीट, रिश्ते, और फ्रीडम ग्लास जैसे विषयों पर संवाद सत्र आयोजित किए गए। मास्टर ट्रेनर्स ने छात्रों को अल्प विराम के माध्यम से आत्मचिंतन और अंतरमन से संवाद करने की महत्ता को समझाया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मेंटर भूपेंद्र पवार, इंद्रदेव कवड्कर, सुनील पवार और जयश्री देशमुख ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्लेषण और सकारात्मक सोच के माध्यम से जीवन में

कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन जिला नोडल अधिकारी सतीश पवार के मार्गदर्शन और मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक प्रिया चौधरी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर राज्य आनंद संस्थान भोपाल से मास्टर ट्रेनर प्रदीप महतो, इटारसी से सुमन सिंह, बैतूल से तूलिका पचौरी, दिलीप गिद, जिला संपर्क व्यक्ति महेश गुंजेले, आनंदम सहयोगी आशीष पचौरी, और आनंदक आशीष कोकने उपस्थित रहे।

आनंद का संचार करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को यह सिखाया गया कि कैसे आत्मचिंतन के जरिए अपने जीवन में संतुलन और आनंद लाया जा सकता है। अल्प विराम का मुख्य संदेश यह था कि खुद को पहचानने और अंतरमन से संवाद करने में ही सच्चा आनंद निहित है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इस आयोजन ने उन्हें अपने जीवन को नई दृष्टि से देखने और सकारात्मकता को अपनाने की प्रेरणा दी।

सेमीफाइनल में पहुंची एलबीएस

बैतूल, देशबन्धु। जिला क्रिकेट एसोसिएशन बैतूल के तत्वावधान में लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में खेली जा रही स्मृति कप 24 के पहला क्वार्टर फाइनल मैच रविवार को एलबीएस टीम और नर्मदा पुरम के मध्य खेला गया।

नर्मदा पुरम के कप्तान विधान दुबे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया परंतु उनका फैसला गलत साबित हुआ। जब 54 रनों के स्कोर पर 4 विकेट गिर गए, तब इस डूबती हुई टीम की नैया को युवराज, शांतनु और विधान दुबे ने संभाला। उन्होंने लगातार रन बनाए, साथ ही तेज खेलने के प्रयास में विकेट भी गिरते रहे। निर्धारित 20 ओवर में नर्मदा पुरम ने 9 विकेटों के नुकसान पर 137 रन बनाए इसमें युवराज और शांतनु ने 27- 27 और मार्तंड और विधान ने 26 रनों का योगदान दिया। एलबीएस की ओर से सर्वाधिक तीन विकेट मैन ऑफ द मैच आयुष मानकर ने 32 रन देकर लिए। यशवीर ने चार तथा प्रतीक ने दो विकेट लिए। 138 रनों को एलबीएस ने 20 वे ओवर की अंतिम बॉल पर प्राप्त कर मैच 5 विकेटों से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। संगठन के संजय हुद्दार, राजू देशमुख, नरेंद्र ठाकुर, पंकज पुण्डे, मनीष बार वरवड़े उपस्थित थे। 138 रनों को प्राप्त करने के लिए लोकेश सवाने ने तेज गेंदबाजों की धुनाई की और 19 गेंद पर 30 रन बनाकर आउट होने के पूर्व 41 रन बनाए। पहला विकेट 54 रन पर तथा दूसरा 58 रन पर गिरा पर आयुष मानकर ने आउट होने के पहले 23 रन बनाकर अंतिम ओवर में लक्ष्य प्राप्त किया। नर्मदा पुरम की ओर से स्पिनरों द्वारा शानदार गेंदबाजी की और फील्डिंग के बल पर मैच रोमांचक बना दिया। नर्मदा पुरम की ओर अभिनव ने 2, श्री ने 4 ओवर में 10 रन देकर दो तथा करण ने एक विकेट लिए।

एसोसिएशन के सचिव अनिल दीक्षित ने बताया कि दूसरा मैच लीग मैच था, जिसमें सिसियर इटारसी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवर में 142 रन 7 विकेटों के नुकसान पर बनाएं। इसमें हितेंद्र ने 47 अजय ने 28 रन तथा कुलदीप ने 13 रन बनाए। बैतूल अकादमी की ओर से शांतनु ने 21 रन देकर

चार सपन ने दो तथा अंशित ने एक विकेट लिया। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ नितिन देशमुख ने बताया कि 143 रन बैतूल अकादमी ने आसानी से 10 ओवर में ही प्राप्त कर लिया जबकि उसके मात्र तीन विकेट गिरे और मैच 7 विकेटों से जीत लिया। इस पारी में आठ छक्के लगाए गए। मैन ऑफ द मैच शांतनु रहे। रविवार के अंपायर आयुष सोनी और पल्लवी रहे। दूसरे मैच के अंपायर अंपायर नरेंद्र ठाकुर और मनोज दहिकर रहे। एसोसिएशन के सहसचिव शैलेश गुबरेले, रमन ठाकुर, करण प्रजापति, नरेंद्र वागदे, एसोसिएशन के अन्य सदस्यों ने बताया कि सोमवार को दो मैच खेले जाएंगे। पहला मैच व्हाइट डेविल और डीसीए एम तथा दूसरा मैच पीपी लीजेंड और सिटी आमला के मध्य होगा।

हर घर जल योजना को ठेकेदार और विभाग लग रहे हैं पलीता

चिचोली, देशबन्धु। सरकार घर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन पर जोर दे रही है हर घर में नल से जल देने के लिए गांव-गांव पानी की टंकी बनाकर पाइपलाइन से पानी की सप्लाई का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इन योजना अनिमितता से घिरने लगी है। विभाग द्वारा इस योजना में टेंडर के माध्यम से ठेकेदार को दिया जाता है।

चिचोली तहसील से सटे घनी आबादी वाले ग्रामों में वर्षो से यह योजना अधूरी पड़ी है जल जीवन मीशन के तहत के चिचोली ब्लाक के नसीराबाद ग्राम पंचायत के ग्राम लोहरढाना एवं बारंगवाड़ी ग्राम में पिछले दो वर्ष से अधिक समय भी अधूरी के पढ़ी है योजना मे विभाग ग्रामीणो को पेयजल सप्लाई का कार्य पूरा नहीं कर सकी है। इसके अलावा गांव में सालों पहले बोरखनन कर छोड़ दिया गया है। ना ही पाइपलाइन बिछाई गई है। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है । गांव के गुड्डू उईके , बबलू विश्वकर्मा, चुन्नो बाई उईके ,गोविंद पाण्डे , मालती विश्वकर्मा ने बताया कि ठेकेदार द्वारा लंबे समय से गांव के लोहारढाना में और ग्रामीणों को पेयजल के लिए बोर खनन किया गया है लेकिन 2 साल बीत जाने के बाद पीने का पानी उपलब्ध नहीं करा पाई है नसीराबाद नल जल योजना के प्रोजेक्ट में शामिल है जिसमें अधिकांश जगह पर पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है । गर्मी के दिनों में पेयजल की सबसे अधिक समस्या बनी रहती है। हैंडपंप पाइप की कमी होने के कारण पेयजल का संकट बना हुआ रहता है।

जन अभियान परिषद ने मेल बाबा नदी पर बोरी बंधान कर जल संरक्षण का दिया संदेश

बैतूल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम शाहपुर के सामाजिक कार्यकर्ताओं, परामर्शदाताओं एवं नवांकुर समिति के प्रतिनिधियों द्वारा बोरी बंधान के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। रविवार को शाहपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुंडी के ग्राम मगरडोह में मेल बाबा नदी पर समिति सदस्यों व बच्चों ने श्रमदान कर लगभग 250 बोरी से पानी रोककर जल का संरक्षण दिया।

मप्र जन अभियान परिषद के सदस्यों का कहना है कि विभिन्न समितियों के सहयोग से बोरी बंधान का काम किया जा रहा है, इस समय अगर हम जल संरक्षण करते हैं तो आने वाली गर्मियों में हमें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इस बार पर्याप्त वर्षा हुई है, लेकिन जल संरक्षण करना भी उतना ही जरूरी है। अगर अभी हम जल संरक्षण के लिए नहीं चेते तो आने वाले समय में जल संकट की स्थिति बनेगी। इन सब से निपटने के लिए जरूरी है कि हमारे आसपास जहां भी तालाब पोखर और नदियां हैं, वहां पर पानी रोका जाए।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष, बैतूल जिले के वरिष्ठ पर्यावरणविद मोहन नागर के नेतृत्व में पूरे जिले में जल संरक्षण के कार्य किया जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में शाहपुर में बोरी बंधान कर जल को एकत्रित किए जाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर

ग्राम पंचायत के सरपंच वीरेंद्र कुमार उइके, गणेश पाटणकर, नवील वर्मा पूर्व सरपंच, ब्लॉक समन्वयक संतोष राजपूत, दयाराम विश्वकर्मा, दीपचंद वर्मा, देवेंद्र कदम सुश्री सुनीता केतवास, बसंत बरेले, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों में महेश यादव, रंजेश कोडोपे, गोलू उपराले विनोद कुमरे, राहुल लोखंडे, कृष्ण कुमार साहू एवं अन्य ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

देशबन्धु

नर्मदापुरम, सोमवार 25 नवम्बर 2024

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

चुनावी नतीजे : नए कलेवर में पुरानी कहानी

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की तरह इस बार भी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा, यानी झारखंड में झामुमो और कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली और महाराष्ट्र में महायुति को, जिसमें भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। भाजपा समर्थक इस जीत से बेहद गदगद हैं और फिर से पूरे देश में यह विचार फैलाया जा रहा है कि मोदी है तो मुमकिन है। हालांकि महाराष्ट्र की इस जीत को मुमकिन करने में सर्वोच्च न्यायालय से लेकर निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं ने कितना योगदान दिया है, इसका विश्लेषण भी किया जाना चाहिए।

जब भाजपा ने महाराष्ट्र में ऑपरेशन लोटस चलाकर शिवसेना और उसके बाद एनसीपी को तोड़ा, विधायकों को न जाने कौन से चमत्कारी तरीके से अपने साथ किया और फिर सरकार बनाई, तब उस सरकार को, राज्यपाल के फैसले को शीर्ष अदालत ने गलत बताया, लेकिन कमाल देखिए एक अवैध सरकार को कार्यकाल पूरा किए जाने का मौका दिया। निर्वाचन आयोग ने झारखंड के चुनाव तो समय से पहले कराए, लेकिन महाराष्ट्र के चुनाव हरियाणा के साथ न करवा कर जानबूझ कर उसे टाला, त्योहार आने का वास्ता दिया गया। इन सारे अजीब लगने वाले फैसलों के पीछे क्या भाजपा के लिए पक्षपात किए जाने की बू नहीं आती।

असल में महाराष्ट्र में भाजपा की जीत को जिस चमत्कार की तरह पेश किया जा रहा है और इस जीत पर शनिवार को नरेन्द्र मोदी भाजपा मुख्यालय पर जिस तरह फिर से यह बताने की कोशिश की कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी है और जिसके साथ जाती है, उसे खत्म कर देती है, उसमें कांग्रेस और गांधी परिवार को लेकर श्री मोदी का डर ही नजर आया। अब तो प्रियंका गांधी भी वायनाड से रिकार्ड जीत दर्ज करके पहुंची हैं। यानी अब सदन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे नेता ही नहीं, प्रियंका गांधी के सवालों से भी श्री मोदी को जूझना होगा। वायनाड में कांग्रेस की जीत अप्रत्याशित नहीं थी, लेकिन मध्यप्रदेश में विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी और मंत्री रामनिवास रावत को कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने हरा दिया, वहीं बुधनी में भाजपा के रमाकांत भार्गव जीत तो गए, लेकिन 13 हजार वोटों से ही आगे रहे, भाजपा के 91 हजार वोट इस बार घट गए, ये मामूली बात नहीं है। कांग्रेस ने कर्नाटक में भी उपचुनाव वाली सभी 3 सीटें जीती हैं, और प.बंगाल में आर जी कर मामले के बावजूद टीएमसी ने उपचुनाव की सभी 6 सीटें जीत ली हैं। दरअसल जिस राज्य में जिसकी सत्ता होती है, उपचुनाव के नतीजे कमोबेश उसी के पक्ष में जाते हैं, ये चलन इस बार भी दिखा। इसलिए उप्र जैसे राज्यों के उपचुनाव में जीत पर भाजपा फिर से अपना झंडा गड़ा होने के जो दावे कर रही है, वो शत प्रतिशत सच नहीं हैं।

इस बार के विधानसभा चुनाव देखकर ऐसा लगा मानो किसी हिंदी टीवी धारावाहिक का एक और एपिसोड खत्म हुआ है। हिंदी धारावाहिकों में नयी कहानियों की जगह टीआरपी बढ़ाने वाली पुरानी कहानियों को ही घिसा जाता है, इसी तरह चुनावों के इस एपिसोड में नए किरदारों, नए बैकग्राउंड नारों और नए सेट डेकोरेशन के साथ एक पुरानी कहानी को कामयाबी के साथ दोहराने में भाजपा को सफलता मिली है। कहानी वही जिसके अंत में यह कहा जाए कि चुनाव कोई भी लड़े, कहीं भी लड़े, कैसे भी लड़े, जीतेगा तो मोदी ही। इस कहानी में मुख्य किरदार भाजपा या मोदी रहते हैं, उनके इर्द-गिर्द और उनकी सुविधा के हिसाब से सारी पटकथा लिखी जाती है। महाराष्ट्र और झारखंड में इस बार भाजपा ने कुछ नए नारे दिए, कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया, कुछ नयी योजनाओं की घोषणा की, लेकिन मूल कहानी यही थी कि किसी भी तरह जीत हासिल करना है, ताकि सत्ता में आ कर मनमानी की जा सके। भाजपा की इस कहानी के सफल मंचन में चुनाव आयोग का पूरा सहयोग मिला। विपक्ष कई गड़बड़ियों की तरफ लंबे अर्से से शिकायत कर रहा था, जैसे मतदाता सूची में गड़बड़ी है, ईवीएम को लेकर संशय है, धर्म के नाम पर वोट मांगा जा रहा है, वोट खरीदने की कोशिश हो रही है, लेकिन इन शिकायतों पर चुनाव आयोग ने ध्यान नहीं दिया और दिखाने के लिए छोटी-मोटी कार्रवाई की। नतीजा बिल्कुल वैसा ही निकला जैसा भाजपा चाहती थी।

महाराष्ट्र में उसे बड़ी जीत हासिल हुई है और झारखंड में अपनी ईमानदारी दिखाने के लिए जनादेश से खिलवाड़ नहीं किया गया और फिर से झामुमो-कांग्रेस की सरकार बनने का रास्ता तैयार हो गया। झारखंड में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता का मुगालता बने रहने दिया। लेकिन महाराष्ट्र में ये जोखिम भाजपा नहीं उठा सकती थी, क्योंकि यहां की धारावी परियोजना में अडानी समूह के अरबों रूपए लगे हैं। हालांकि धारावी क्षेत्र में कांग्रेस को जीत मिली है। वैसे भाजपा का लक्ष्य इंडिया गठबंधन को कमजोर करना है। महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे को भी भाजपा खत्म करना चाहती है, ताकि उसके सामने चुनौती देने वाले नेता न रहें। ये सारे काम तभी संभव थे, जब महाराष्ट्र में भाजपा जीतती। इसलिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार की पार्टियों को सफलता मिली, एकनाथ शिंदे अब सीना ठोंककर खुद को असली शिवसेना वाला बताएंगे, बाला साहेब की विरासत के असली वारिस कहलाएंगे और उधर अजित पवार भी घर तोड़ने के इल्जाम से खुद को मुक्त कर लेंगे। उनकी इस उपलब्धि पर असल में भाजपा के एहसान की परत भी चढ़ी रहेगी, जिसे देखना या न देखना एकनाथ शिंदे और अजित पवार की मर्जी है। इस बार महाराष्ट्र में भाजपा का स्ट्राइक रेट 90 प्रतिशत तक रहा। यानी जितनी सीटों पर उसने चुनाव लड़ा, उसमें केवल 10 प्रतिशत सीटें वो हारी और बाकी पर भारी जीत दर्ज की। ये चमत्कार कैसे संभव हुआ, इस पर चुनाव आयोग ही रौशनी डाल सकता है।

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को सबसे अहम बनाकर भाजपा ने खेल करने की कोशिश की। असम से हिमंता बिस्वासरमा और मध्यप्रदेश से शिवराज सिंह चौहान ने आकर घुसपैठियों के मुद्दे को गरमाए रखा, लेकिन यहां इंडिया गठबंधन के उठाए मुद्दो ने भाजपा के खेल को चलने नहीं दिया। जनवरी में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा था। इस बार फिर उन्होंने गांडेय से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, लेकिन अपनी सीट के साथ-साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा की जीत सुनिश्चित करने में उनका बड़ा योगदान रहा। भाजपा ने जाने-अनजाने अपने लिए एक मजबूत विपक्षी नेता को तैयार कर दिया। इसी तरह हेमंत सोरेन, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव यानी इंडिया गठबंधन ने भाजपा के सारे हथकंडों को ध्वस्त करके, जिस तरह अपनी सत्ता को बचाया है, उससे झारखंड में अब भाजपा के लिए काफी चुनौतियां बढ़ गई हैं।

लड़ोगे तो जीतोगे : झारखंड का विपक्ष को संदेश

स्थिति थोड़ी गंभीर है। लोगों को जब तक बताया नहीं जाए वे समझ नहीं पाते। झारखंड में इंडिया की जीत बताती है कि वहां जिस तरह हेमंत सोरेन के बेगुनाह होने की बात और आम जनता के लिए किए जा रहे उनके कल्याणकारी काम रोकने के लिए गिरफ्तारी की बात लोगों तक पहुंचाई गई उसका असर हुआ। और लोगों तक यह बात सफलता पूर्वक कल्पना सोरेन ने पहुंचाई।

7 अक्टूबर को झारखंड में चुनाव की घोषणा होने के एक दिन पहले हमने यहीं देशबन्धु में इसी कॉलम में लिखा कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद जब झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएएमएम) पर सबसे कठिन समय आया तो अचानक कल्पना सोरेन ने उठकर संघर्ष की बागडोर संभाल ली। हेमंत सोरेन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट को कुछ नहीं मिला। वे वापस आए। लेकिन एक बार जनता के बीच पहुंच गईं कल्पना सोरेन को फिर जनता खासतौर से महिलाओं ने वापस घर नहीं बैठने दिया। जेएमएम ने भी उनका सर्वोत्तम उपयोग किया। पूरे झारखंड में उसने मंईयां सम्मान यात्रा शुरू कर दी। और कल्पना सोरेन उसकी स्टार प्रचारक बन गईं। बाकी फिर इतिहास है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से उपजी आम जनता की सहानुभूति और महिलाओं के अकाउंट में सीधे पैसे जमा करने की मंईयां सम्मान योजना ने वहां प्रधानमंत्री मोदी के सारे भड़काऊ भाषणों को दरकिनार करते हुए गोदी मीडिया के सारे पूर्वानुमानों, एक्जिट पोल को ध्वस्त करते हुए इंडिया गठबंधन को दोबारा सत्ता सौंप दी। और इसमें खास बात यह है कि जेएमएम ने तो शानदार प्रदर्शन किया ही कांग्रेस, आरजेडी और सीपीआईएमएल का प्रदर्शन भी अच्छा रहा।

झारखंड की इस जीत का विपक्ष के लिए बड़ा सबक है कि लड़ना नहीं छोड़ना और जनता के बीच जाना ही इस मुश्किल समय में एक मात्र उपाय है। ईवीएम की गड़बड़ियां हैं। और ईवीएम क्या पूरी चुनावी प्रणाली को ही इस समय सत्ताधारी पार्टी ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। खुद पैसा पानी की तरह बहाना। और विपक्ष के सारे स्त्रोतों को बंद कर देना। चुनाव के दौरान जगह-जगह उनके जहाज, हैलिकाप्टर, सामान की तलाशी लेना। लेकिन सत्ता पक्ष के खुले आम बांटे जा रहे पैसों पर कोई एक्शन नहीं लेना। अभी महाराष्ट्र में कोई छोटा-मोटा नेता नहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पैसे बांटते हुए पकड़े गए। मगर चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। आदर्श चुनाव आचार संहिता की तो खुद प्रधानमंत्री और भाजपा के आसाम, यूपी के मुख्यमंत्री अपनी हेट स्पीचों (नफरत भरी, जो केवल आदर्श आचार संहिता का ही उल्लंघन नहीं है बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसे भाषणों पर सख्ती से रोक लगाने की बात कही है) से धज्जियां उड़ाते रहे। यह सारी गड़बड़ियां हैं। वोटर लिस्ट में से अल्पसंख्यकों के नाम कटवाना, दूसरे क्षेत्रों के लोगों के जाली नाम जोड़ने से लेकर काउन्टिंग में जीत के बाद भी जीत का सर्टिफिकेट रोक कर रखना। अभी मध्य प्रदेश में भाजपा के मंत्री रामनिवास रावत जो कांग्रेस से दलबदल करके वहां गए थे के विजयपुर में हार के बाद रिजल्ट रोक लिया गया। वह तो वहां कमलनाथ जैसे भाजपा से मिले प्रदेश अध्यक्ष नहीं थे बल्कि हिम्मत से लड़ने वाले जीतू पटवारी थे जिन्होंने फौरन चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस के जीते हुए प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को जीत का सर्टिफिकेट नहीं दिया तो वे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ काउन्टिंग सेन्टर घेर लेंगे। तब जाकर कांग्रेस को विजयी घोषित किया गया।

हर स्तर पर चुनाव धांधलियां हैं। उनसे विपक्ष को लड़ना होगा। मगर साथ ही जनता के बीच उसी तरह जाना और उसे समझाना होगा जैसा झारखंड में हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने किया। याद रखिए आज तक का सबसे शर्मनाक नारा बेटी ले जाएंगे प्रधानमंत्री ने वहीं दिया था। जनता के बीच चूंकि हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन थे और जनता उन पर भरोसा कर रही थी इसलिए वह नारा ओंधे मुंह गिर पड़ा।

सबक यह है कि जब विपक्ष जनता के बीच होता है। जनता को उस पर भरोसा होता है तो वह झूठ को नफरत विभाजन को स्वीकार नहीं करती। दूसरा सबक यह है कि जब कोई पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ती है तो ईवीएम की धांधली करने की ताकत भी कम हो जाती है। जैसे अगर दीवार मजबूत हो तो चोरी के धक्कों से नहीं गिर सकती।

शकील अख्तर

सबक यह है कि जब विपक्ष जनता के बीच होता है। जनता को उस पर भरोसा होता है तो वह झूठ को नफरत विभाजन को स्वीकार नहीं करती। दूसरा सबक यह है कि जब कोई पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ती है तो ईवीएम की धांधली करने की ताकत भी कम हो जाती है। जैसे अगर दीवार मजबूत हो तो चोरी के धक्कों से नहीं गिर सकती।

कल्पना सोरेन पर हमने लिखा था झारखंड में कल्पना सोरेन भाजपा के लिए चुनौती! वही सही साबित हुआ। अब कल्पना सोरेन की मांग झारखंड के बाहर भी होगी। लेकिन उस समय जब हमने लिखा था तो कुछ लोगों ने कहा कि ज्यादा तो नहीं लिख दिया? आज वे स्टार बन गईं। और हेमंत सोरेन का कद तो कई गुना बढ़ गया। गिरफ्तारी के बाद जिस तरह उन्हें गया हुआ मान लिया गया था उसके बाद पहले अदालत में लड़कर और फिर भाजपा की साम दाम दंड भेद हर चाल से लड़कर उनकी वापसी विपक्ष के लिए एक प्रेरणा बन गई।

ध्यान देने की बात है कि भाजपा ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का सबसे तीखा प्रयास झारखंड में किया। बेटी ले जाएंगे इससे ज्यादा भड़काऊ बात कुछ हो नहीं सकती। मगर यह आदिवासियों का हेमंत सोरेन पर भरोसा था कि उन्होंने इस बात को जरा भी महत्व नहीं दिया।

झारखंड में बीजेपी ने क्या नहीं किया? इससे पहले कभी किसी राज्य के मुख्यमंत्री ने दूसरे राज्य में चार महीने बिताए होंगे? अभी हार के बाद रविवार को आसाम के मुख्यमंत्री हेमंत बिश्वा सर्मा ने खुद कहा चार महीने झारखंड में रहा। कितना जहर नहीं फैलाया। हर बात सांप्रदायिक। हिन्दू मुसलमान। घुसपैठिए। मगर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक सवाल जो उनसे किया उसका जवाब न वह, न भाजपा के दूसरे मुख्यमंत्री, न प्रधानमंत्री, न गृह मंत्री कोई नहीं दे पाया।

हेमंत सोरेन ने सीधी बात पूछी कि झारखंड की सीमा किस देश से कहां लगी हुई है? जो किसी देश से घुसपैठिए सीधे हमारे यहां आ रहे हैं? सीमा की रखवाली करना केन्द्र का काम है। उस राज्य पर आप कैसे आरोप लगा सकते हैं जो न तो सीमावर्ती हो और न ही सीमाओं की रक्षा करने का अधिकार उसके पास हो।

इसका जवाब कोई नहीं दे पाया। और यह बात जनता को पसंद भी आई और समझ में भी आई। असम के मुख्यमंत्री के चार महीने डेरा डाले रहने के अलावा उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी वहां सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के कम प्रयास नहीं किए। बटेंगे तो कटेंगे खूब बोला। मगर जहां -जहां उन्होंने रैलियां की ज्यादातर जगह भाजपा हारी।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोटी बेटी छीनने की बात वहां कही ही थी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तो ओ चंपई इधर आओ, बाबूलाल आगे आओ जैसी आवाजें लगाकर दंभ का ऐसा प्रदर्शन किया कि वह सीधा आदिवासियों के दिल पर लगा। पहले वनवासी कहते थे। मतलब जंगल में रहने वाले और अब पूर्व मुख्यमंत्री को गुलामों की तरह पुकारना!

मगर बात वही है कि जनता के बीच आप मौजूद हों, उन्हें आप पर विश्वास हो तो वह इन नकारात्मक बातों का बुरा मानती है। उन्हें समझती है। लेकिन अगर विपक्ष जनता में नहीं होता है तो विपक्ष के नेताओं की बात बेअसर होती है। और नफरत झुठ विभाजन की बात का भी उस पर असर हो जाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

मोदी को जेपीसी गठित करने पर सहमत हो जाना चाहिए

■ सुशील कुट्टी

मीडिया को अरबपति गौतम अडानी के कई कारनामों की रिपोर्टिंग करते समय 'कथित' शब्द का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। इतने अमीर व्यक्ति को रिश्वत देने और धोखाधड़ी करने की क्या जरूरत है? 'कथित' शब्द आरोप की गंभीरता को कम कर देता है और उस व्यक्ति को आंशिक रूप से दोषमुक्त कर देता है, जिसके उच्च पदों पर मित्र हैं। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अडानी से सम्बद्धता का दोषी माना जाता है इसलिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच स्थापित करने का यह और भी बड़ा कारण होगा, ताकि मिलीभगत के आरोप से वह मुक्त हो सकें।

गौतम अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में आरोप लगाये गये हैं। अडानी और उनके भतीजे और अडानी समूह के कुछ अधिकारियों पर भारत में किये गये अपराधों 'रिश्वत और धोखाधड़ी' का आरोप लगाया गया है, जिससे यह ज़रूरी हो जाता है कि वे अपनी छवि को साफ़ करें। विपक्ष शासित कई राज्यों की परियोजनाओं में उन्होंने जो भारी पैसा लगाया है, उसे क्लीन-चिट का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

जेपीसी हमेशा अभियोग लगाने के लिए नहीं होती। जेपीसी साफ़-साफ़ सामने आने का एक ज़रिया भी है। गौतम अडानी और उनके उच्च पदों पर बैठे दोस्तों को विपक्ष द्वारा जेपीसी के गठन की मांग का स्वागत करना चाहिए। यह विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा 'गिरफ़्तारी' की मांग से बेहतर है। लेकिन गिरफ़्तारी के लिए कांग्रेस को भारत में प्रथमिकी दर्ज करानी चाहिए। ऐसा लगता है कि बाइडेन के न्याय विभाग का भारत में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।

अमेरिका में गौतम अडानी के खिलाफ़ आरोपों ने भारत को विभाजित कर दिया है। कांग्रेस के नेतृत्व में आधे लोग उनके गले में फांस लगाना चाहते हैं। भाजपा के मित्रों के नेतृत्व में बाकी आधे लोग राहुल गांधी की 'कुंठाओं' पर हंस रहे हैं।

कांग्रेस का निशाना अडानी नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। गौतम अडानी के पीछे कोई नहीं पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी प्रतिष्ठा और नाम को साफ करने के लिए जेपीसी जांच के लिए सहमत होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी को अडानी पर अमेरिकी आरोप के एक दिन पहले ही गुयाना के शीर्ष नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उनकी अंतरराष्ट्रीय छवि, जिसे वे अपनी प्रिय दिवंगत मां की स्मृति से अधिक महत्व देते हैं, वह चीज उन्हें सबसे अधिक उथल-पुथल भरे राजनीतिक जल में बचाये रखती है।

मोदी का नाम साफ होने के लिए गौतम अडानी का नाम साफ होना चाहिए। 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद के लिए चुने गए डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद भी अडानी के खिलाफ़ लगे आरोप समाप्त नहीं होंगे। मोदी अपने दोस्त ट्रंप से अडानी के खिलाफ़ लगे आरोपों को वापस लेने के लिए नहीं कह सकते। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ट्रंप इस पर अमल करेंगे, लेकिन हो सकता है कि वे ऐसा करें। आखिर दोस्त किस लिए होते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी खुद स्वीकार करते हैं?

मोदी सरकार को जेपीसी गठित करने के विपक्ष के आह्वान का विरोध नहीं करना चाहिए। गौतम अडानी की लोकप्रियता गिर रही है और ईमानदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर संदेह है। साथ ही, यह पहली बार नहीं है जब अडानी पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आरोप लगे हैं। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगने से पहले, जो उनके गृह देश भारत में किये गये अपराध हैं, अडानी 'हिंडनबर्ग आरोप प्रकरण' में उलझे हुए थे।

यह सब विपक्ष की उस मांग को 'सही साबित करता है' जिसमें उनके विशाल वित्तीय-औद्योगिक परिसर में कथित तौर पर शामिल 'घोटालों' की जेपीसी जांच की मांग की गयी है। गौतम अडानी अरबपतियों के क्लब में एकमात्र अरबपति हैं, जिनके अरबों ने उनका कोई भला नहीं किया है। कांग्रेस को लगता है कि इस बार अडानी अंतरराष्ट्रीय जाल से बच नहीं पायेंगे।

कांग्रेस चाहती है कि 'अडानी मेगा घोटाले' की जांच के लिए 'एक नया और विश्वसनीय' सेबी प्रमुख हो। सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच भी अपने ही गलत कामों के भंवर में फंस गयी हैं। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा 'गौतम अडानी पर अभियोग' विभिन्न 'मोदानी घोटालों' की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच की मांग को सही साबित करता है।

अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अडानी पर अडानी समूह को सौर ऊर्जा सरकारी अनुबंध दिलाने के लिए भारतीय नौकरशाहों को कुल 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। उन सौर ऊर्जा अनुबंधों से अडानी को कर के बाद 2 बिलियन डॉलर से अधिक का लाभ मिलता!

कांग्रेस के रणनीतिकार जयराम रमेश ने सेबी पर अडानी समूह की जांच में घटिया काम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने अडानी के घोटालों के विभिन्न आयामों और प्रधानमंत्री मोदी तथा अडानी के बीच मौजूद घनिष्ठ सांठगांठ को सामने लाने के लिए 'सौ सवाल' पूछे। रमेश ने कहा, 'ये सवाल अनुत्तरित रह गये हैं।' 'कांग्रेस संयुक्त संसदीय समिति की अपनी मांग दोहराती है।'

अमेरिका में विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की अनुमति है, अगर इसमें अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से संबंध हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'ला अफेयर गौतम अडानी' की जांच के लिए जेपीसी गठित करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। इतिहास पीठ में छुरा घोंपने वाले दोस्तों से भरा पड़ा है।

अडानी समूह का प्रमुख क्षेत्रों पर बढ़ता एकाधिकार का भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अडानी का संबंध ही प्रमुख कारण है। इसलिए गठजोड़ के आरोप की जांच का काम जेपीसी को देना चाहिए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी को यकीन है कि 'मोदी' अपनी मुश्किलों से उबर जायेंगे और अडानी के मोदी के रास्ते से हट जाने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में उछाल आयेगा और भारत के पड़ोसी राहत की सांस लेंगे। क्या अमेरिका का अभियोग भारत के लिए झटका है? अमेरिकी नागरिक सैम पित्रोदा कहते हैं कि हां, यह 'भारतीय नाम और प्रसिद्धि' के लिए झटका है।

अमेरिकी अभियोजकों ने कहा कि गौतम अडानी और उनके अधिकारियों, जिनमें उनके भतीजे सागर आर अडानी भी शामिल हैं, ने आकर्षक सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (2,100 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत दी, जिससे 2 बिलियन डॉलर (16,800 करोड़ रुपये) से अधिक का शुद्ध लाभ होना था। विपक्ष ने जेपीसी की मांग करते हुए कहा, 'यह सब प्रधानमंत्री के स्पष्ट संरक्षण के साथ दंड से मुक्त होकर किये गये धोखाधड़ी और अपराध के लंबे रिकॉर्ड के अनुरूप है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम दांव पर है। क्या यह मोदी नहीं थे जिन्होंने कहा था 'न खाऊंगा न खाने दूंगा'? गौतम अडानी लंबे समय तक जांच से बचते रहे और अगर 'विदेशी जांचकर्ताओं' ने आपराधिक गतिविधियों में उनकी जांच नहीं की होती तो वे बेदाग निकल जाते। भाजपा की निगरानी में काम करने वाली भारत की जांच एजंसियों के लिए छोड़ दिया जाता तो गौतम अडानी अधिक से अधिक लालची नौकरशाहों और सत्ता के भूखे नेताओं को समृद्ध कर देते। विपक्ष चाहता है कि 'अडानी मेगा घोटाले' की जांच के लिए 'नया और विश्वसनीय' सेबी प्रमुख हो, और एक जेपीसी हो।

अमेरिका में विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की अनुमति है, अगर इसमें अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से संबंध हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'ला अफेयर गौतम अडानी' की जांच के लिए जेपीसी गठित करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। इतिहास पीठ में छुरा घोंपने वाले दोस्तों से भरा पड़ा है। आखिरकार, जैसा कि सैम पित्रोदा ने कहा, 'भारतीय नाम और प्रसिद्धि' बचाना है, और सैम स्वयं गौतम अडानी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कम गुजराती नहीं हैं।

आपके पत्र

इंडिया गठबंधन को अब नए राजनीतिक रणनीति अपनानी होगी

23 नंवबर को महाराष्ट्र झारखंड के विधानसभा चुनाव एवं विभिन्न राज्यों के 47 विधानसभाओं के उप चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। महाराष्ट्र की जनता ने एनडीए को और झारखंड में इंडिया ब्लॉक को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मौका दिया है। यह स्थिति भारतीय लोकतंत्र के लिए भी अच्छी है। अब पूर्ण बहुमत की सरकार जनता के हितों पर काम करेंगे और दीर्घकालिक और लघु योजना के माध्यम से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। महाराष्ट्र की जीत पर कांग्रेस के नेताओं ने उपभोक्ता संस्कृति की जीत बताया है। झारखंड में शिबू सोरेन का जलवा कायम रहा। भाजपा के द्वारा चंपई सोरेन और सीता सोरेन को शामिल करने के बावजूद भी झारखंड उनके हाथ में नहीं आया है, यह भाजपा के लिए चिंता का सबब रहेगा। देश भर की निगाहें महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में लगी हुई थी। इन चुनाव परिणाम के बाद हम कह सकते हैं कि महाराष्ट्र एवं झारखंड का चुनाव चुनावी पंडितों के लिए मुद्दा जरूर रहेगा लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि इन चुनाव में मुफ्त की रेवड़ी एवं धन बल के बल पर दोनों घटकों ने जीत हासिल की है। महाराष्ट्र देश की आर्थिक राजधानी है और यहां पर बीजेपी एवं सहयोगियों की जीत एक बड़ी जीत कही सकती है, जिसका प्रभाव जरुर पड़ेगा। इन चुनावों की जीत के बाद भाजपा का कद बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में भाजपा की जीत से योगी महाराज की स्वीकारता भी देश बढ़ेगी। क्योंकि उनके द्वारा दिए गए स्लोगन बटेंगे तो कटेंगे का असर महाराष्ट्र में साफ दिखाई देता है। इंडिया गठबंधन को अब नए राजनीतिक रणनीति अपनानी होगी।

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

ललित सुरजन की कलम से

प्रियंका गांधी :उदात्त राजनीति की संभावना

'प्रियंका गांधी 19 मार्च 2008 को वैल्लोर, तमिलनाडु के केंद्रीय कारागार पहुंचीं थीं। मकसद था बंदिनी नलिनी से भेंट करना। हत्यारों के जिस गिरोह ने लिट्टे सुप्रीमो प्रभाकरन के आदेश पर राजीव गांधी की हत्या की थी, नलिनी उसकी एक सदस्य थी। प्रियंका ने उससे मुलाकात की और अपने व अपने परिवार की ओर से उसे क्षमा कर देने का संदेश दिया। भारत के राजनैतिक इतिहास में यह एक अनूठी घटना थी। आज जब प्रियंका गांधी औपचारिक तौर पर राजनीति के मंच पर आ गई हैं और कांग्रेस पार्टी के एक महासचिव का पद संभाल लिया है, तब ग्यारह साल पुराने इस प्रसंग को याद रख लेना चाहिए। क्योंकि इसके निहितार्थ गहरे व दूरगामी हैं। आज भले ही प्रियंका के राजनीति में सक्रिय होने को आसन्न लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा हो; मुझे लगता है कि इसमें कहीं राजनीति की क्षुद्रता से उठकर उसे उदारवादी स्वरूप देने की चाहत छुपी हुई है। पंडित नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक की राजनीतिक यात्रा का अध्ययन करने से बात कुछ साफ हो सकेगी।'

'विश्वकवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने जवाहरलाल नेहरू को ऋतुराज की उपाधि दी थी। स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में ही वे विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बन चुके थे। वे प्रधानमंत्री बने तब उन्हें अजातशत्रु कहा गया। महान इतिहासकार अर्नाल्ड टायनबी ने कहा कि जब राजनीति के परिष्कार की आवश्यकता होती है तब नेहरू जैसे राजनेता का उदय होता है। पं. नेहरू के निधन के बाद इंदिरा गांधी की राजनीति में आने की कोई इच्छा नहीं थी। वे तब अपनी इंग्लैंडवासी सहेली को पत्र लिखकर कहीं ठीक-ठाक रोजगार की तलाश कर रहीं थीं। यह एक विडम्बना भरा संयोग था कि शास्त्रीजी के आकस्मिक निधन के बाद उन्हें एक कमजोर राजनेता मानकर प्रधानमंत्री पद की पेशकश की गई, ताकि कांग्रेस के घुटे हुए नेताओं का सिंडीकैट अपनी मनमर्जी शासन कर सके। बेशक आगे चलकर इंदिराजी का एक कठोर स्वरूप सामने आया। उन्होंने पार्टी के भीतर व बाहर अपने विरोधियों को पस्त करने के लिए हर तरह के उपाय किए, फिर भी मैं कहूंगा कि अपने जटिल व्यक्तित्व के बावजूद देशहित उनके लिए सर्वोपरि था और देश की जनता से उन्हें सच्चा प्रेम था।'

(देशबन्धु में 31 जनवरी 2019 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2019/01/blog-post_30.html

गुरुवाणी विचार

एक घड़ी कोई नहीं राखे, काढ़ो काढ़ो होई

जल की भिति पवन का खंभा रक्त बूंद का गारा।
हाड़ मांस नाड़ी को पिंजर पंखी बसै विचारा।
प्राणी किआ मेरा किआ तेरा जैसे तरवर पंखि बसेरा। (रहाओ)

गुरुवाणी की इन पंक्तियों द्वारा भक्त रविदासजी मानव मन को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं हर इंसान पांच तत्वों से मिलकर बना है जीव रूपी पंछी उस शरीर में बस रहा है जिसकी दीवाल चौहदी पानी की बनी है। जिसका आधार खंभे का स्वामी हवा है। मां के रक्त और पिता के वीर्य से जिसका गारा बना हुआ है और हाड़-मांस नाड़ियों से पूरा पिंजरा बना हुआ है। कहा भी गया है-

क्षिति जल पावक गगन समीरा पांच तत्व का बना शरीरा।

जिस तरह पंछी रात को विश्राम करने हेतु वृक्षों पर बसेरा करते हैं उनका वहां निवास केवल एक रात का ही रहता है। अगली सुबह उनका और कहीं किसी वृक्ष में बसेरा होता है ऐसे ही संसार हमारे लिए एक सराय है। हम यहां प्रभु परमात्मा द्वारा हमें कुछ श्वांसों की पूंजी देकर इस संसार में भेजा गया है। जैसे ही श्वांस रूपी पूंजी खत्म हुई हमें तुरंत इस धर्मशाला रूपी दुनिया से विदा लेनी पड़ेगी। एक क्षण भी फिर कोई हमें रहने नहीं देगा। शरीर से प्राण निकलते ही सब कहने लगेंगे कि इस शरीर को तुरंत ले आओ। यहां तक कि अपनी पत्नी जो सदा साथ रहती थी वह भी प्रेत प्रेत कहकर भाग खड़ी होगी।

एक घड़ी कोई नहीं राखे, काढ़ो काढ़ो होई।

अतएव हर इंसान का यह पहला कर्तव्य होना चाहिए कि उस परमात्मा का गुणगान करते सिमरन बंदगी करते रहें। जिसने हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति मानव जीवन में इस धरा पर भेजा है वरना प्रभु परमात्मा किसी भी कीड़े मकोड़े की योनि में भेज सकते थे पर हमारे किसी पूर्व जनम के पुण्य फल के कारण हम पर कृपा कर हमें यह मानव शरीर दिया है। हमें चाहिए कि हम प्रभु सिमरन बंदगी में मन लगाकर यह मानव जीवन पाने का संपूर्ण रूप से लाभ उठा लेवें। यह प्रभु दरबार में पहुंचने की सीढ़ी है अगर इस आखिरी सीढ़ी यह प्रभु दरबार में पहुंचने की अंतिम सीढ़ी से नीचे गिरे तो फिर पता नहीं हमारा क्या हाल होगा-

इस पौढ़ी ते जो नर चूके सो आये जाए दुख पायेगा।

याद रहे हम इस धरा पर खाली हाथ आए हैं और वापिस जाते समय भी खाली हाथ जाना पड़ेगा जो कुछ भी हमने धन-दौलत जमीन जायदाद इकट्ठी कर रखी है वह कुछ भी साथ जाने वाला नहीं है-

साथ न चालै बिन भजन बिखिआ सगली छारि।
हरि हरि नाम कमावना नानक ऐहो धनि सार।।

हर प्राणि के अंदर विराजमान होकर प्रभु के द्वारा हमारे द्वारा किये जा रहे प्रत्येक कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है। उसी के अनुसार ही हमें दंड या इनाम मिलने वाला है। इनाम के रूप में प्रभु ही आनंद की अनुभूमि होती रहेगी। यहां तक कि हमें जनम-मरण के चक्कर में पड़ने से भी निजात मिल सकेगी और दंड के रूप में वापस इसी धरा पर किसी निकृष्ट योनि में जनम लेना पड़ेगा इसलिए हमारा एक सूत्रीय कार्य यही होना चाहिए कि हम प्रभु सिमरन भक्ति कर प्रभु परमात्मा की प्राप्ति कर लें और अपना मानव जीवन पाना सफल कर लें फिर पता नहीं हमें कब मानव जीवन प्राप्त होगा कि नहीं इसलिए समय रहते हमें चेत जाना है और प्रभु भक्ति में मन रमाना है।

इंदर सिंह आहुजा

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

एसबीआई	4.51 प्रतिशत
टीसीएस	4.13 प्रतिशत
टाइटन	4.10 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	3.94 प्रतिशत
आईटीसी	3.92 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एलीकॉन कैसटालो	1.66 प्रतिशत
थ्री बी ब्लैक बायो	1.58 प्रतिशत
अहलुवालिया	1.52 प्रतिशत
असाही इंडिया	1.35 प्रतिशत
बॉयर क्रॉप साइन	1.05 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	79,813
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	95,100
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	84.50	84.51
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	7400-7500
दाल चना	8400-8500
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10400-10500
मूंग दाल	9400-9500
अरहर दाल	10400-10500

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

डिजिटल पेमेंट में वर्ल्ड लीडर बन रहा भारत : आरबीआई

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई नेटवर्क के तेजी से विस्तार के कारण भारत डिजिटल पेमेंट टेक्नोलॉजी में वर्ल्ड लीडर के रूप में उभर रहा है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में दी गई। यूपीआई के जरिए अक्टूबर में 16.6 अरब लेनदेन हुए हैं। साथ ही इस दौरान इंस्टेंट डेबिट रिवर्सल 86 प्रतिशत रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 77 प्रतिशत था।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने रिपोर्ट में कहा है कि भारत का यूपीआई एक ओपन-एंडेड सिस्टम है। इसमें एक सिंगल एप्लीकेशन के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति या फिर व्यक्ति से व्यापारी के बीच आसानी से लेनदेन किए जा सकते हैं। पात्रा के अनुसार, डिजिटल क्रेडिट परिदृश्य में इनोवेशन जैसे अकाउंट एग्रीगेटर्स, ओसीईएन और ओएनडीसी पर वित्तीय सेवाओं ने भी उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दिया है।

■ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से फैल रहा यूपीआई
■ यूपीआई के जरिए अक्टूबर में 16.6 अरब लेनदेन हुए

ओएनडीसी मार्च 2024 तक 720 से ज्यादा शहरों में काम कर रहा है। इसके पास 49.72 मिलियन ऑर्डर हैं। ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) एमएसएमई के लगभग 52.2 ट्रिलियन रुपये के अनुमानित क्रेडिट गैप को बैंकों और क्लाइंट्स से जोड़कर पूरा करता है, जिससे फंडिंग लागत में 2.5 प्रतिशत तक की कमी आती है।

पात्रा ने लिखा कि टीआरईडीएस के माध्यम से फाइनेंस चालानों का मूल्य 23 गुना से अधिक बढ़ गया है। अक्टूबर 2024 तक लगभग 5,000 सक्रिय फिनटेक, एमएसएमई सहित व्यवसायों को विभिन्न वित्तीय और तकनीकी समाधान प्रदान करने में शामिल हैं, जिससे व्यवसायों को अपने संचालन को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने और आपूर्ति श्रृंखला वित्त में सुधार करने में मदद मिलती है।

विदेशी मुद्रा भंडार लुढ़ककर 657.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी कमी होने से 15 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17.8 अरब डॉलर लुढ़ककर 657.9 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.5 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के साथ 675.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 15 नवम्बर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 15.55 अरब डॉलर की भारी गिरावट के साथ 569.8 अरब डॉलर पर आ गई। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.1 अरब डॉलर गिरकर 65.7 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 9.4 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.1 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 5.1 करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह गिरकर 4.2 अरब डॉलर रह गई।

देश में तेजी से बढ़ रहा विदेशी निवेश

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की अनुकूल व्यापार नीतियों के कारण भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बीते 10 वर्षों में तेजी से बढ़ा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान 600 अरब डॉलर से ज्यादा का एफडीआई आया है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, देश में 1991 के निजीकरण के बाद से जून 2024 तक कुल 1,059 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। इसमें से 689 अरब डॉलर यानी 65 प्रतिशत 2014 से जून 2024 के बीच आया है, जबकि 370 अरब डॉलर यानी 35 प्रतिशत 1991 से 2014 बीच आया था।

भारत में चालू वित्त वर्ष (2024-25) में भी एफडीआई मजबूत रहा है। डीपीआईआईटी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जून की अवधि में 16.17 अरब डॉलर का एफडीआई भारत में आया है, जो पिछले साल समान अवधि के आंकड़े 10.9 अरब डॉलर से 47.80 प्रतिशत अधिक है।

■ 2014 से 2024 तक आया 689 अरब डॉलर का एफडीआई

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में सबसे अधिक 3.9 अरब डॉलर का निवेश सिंगापुर से, 3.2 अरब डॉलर का निवेश मॉरीशस से, 2.4 अरब डॉलर का निवेश नीदरलैंड से, 1.5 अरब डॉलर का निवेश अमेरिका से, जापान से 629 मिलियन डॉलर, साइप्रस से 615 मिलियन डॉलर और यूएई से 555 मिलियन डॉलर निवेश आया था।

इस दौरान सबसे ज्यादा 3.9 अरब डॉलर का एफडीआई निवेश सर्विस सेक्टर में आया है।

पीएम मोदी आज वैश्विक सहकारी सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को यहां भारत मंडपम में वैश्विक सहकारी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यहां बताया कि वैश्विक सहकारी आंदोलन की प्रमुख संस्था, अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 वर्ष के लंबे इतिहास में पहली बार भारत में इस सम्मेलन और महासभा का आयोजन किया जा रहा है। आईसीए और भारत सरकार तथा भारतीय सहकारी समितियों अमूल और कृभको के सहयोग से भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) द्वारा आयोजित वैश्विक सम्मेलन 25 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन का विषय, 'सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है', भारत सरकार के 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसमें संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में दुनिया भर में सहकारी समितियों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करते हुए चर्चा, पैनल सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स व डब्ल्यूआईपीओ में बढ़ रहा भारत का कद

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। इस कारण देश का वैश्विक नवाचार और बौद्धिक संपदा में प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) और विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक (डब्ल्यूआईपीआई) 2024 की रिपोर्ट में देश का प्रदर्शन प्रमुख बौद्धिक संपदा श्रेणियों-पेटेंट, ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रीयल डिजाइनों में काफी अच्छा रहा है।

भारत ने वैश्विक पेटेंट आवेदनों में मजबूत प्रगति की है और 2024 विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक रिपोर्ट में 6वां स्थान प्राप्त किया है, 2023 में 64,480 पेटेंट दाखिल किए थे। इसमें सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पेटेंट आवेदनों में भारत से पहले चीन, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया का स्थान है।

■ पेटेंट आवेदनों में चीन, अमेरिका, जापान व दक्षिण कोरिया का स्थान है भारत से पहले

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रीयल डिजाइन एप्लीकेशन में भी भारत का प्रभाव बढ़ा है। ट्रेडमार्क फाइलिंग में भारत की रैंकिंग 2023 में चौथी रही है। वहीं, 2023 में इंडस्ट्रीयल डिजाइन आवेदनों में 36.4 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई है, जो दिखाता है कि विभिन्न उद्योगों में रचनात्मकता और डिजाइन नवाचार पर बढ़ते जोर का संकेत है। यह उछाल देश के न केवल विनिर्माण बल्कि उत्पाद विकास की ओर भी बदलाव को दर्शाता है। भारत में बौद्धिक संपदा में वृद्धि के लिए सरकार की ओर से भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा 2016 में राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (एनआईपीआर) को लॉन्च किया गया। इस नीति का उद्देश्य बौद्धिक संपदा को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ना, इकोसिस्टम को मजबूत करना और बौद्धिक संपदा सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करके नवाचार को बढ़ावा देना था।

आर्थिक संकेतकों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

■ सेंसेक्स 2.02 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 79117.11 अंक पर
■ निफ्टी 374.55 अंक यानी 1.6 प्रतिशत मजबूत होकर 23907.25 पर बंद

-साप्ताहिक समीक्षा-

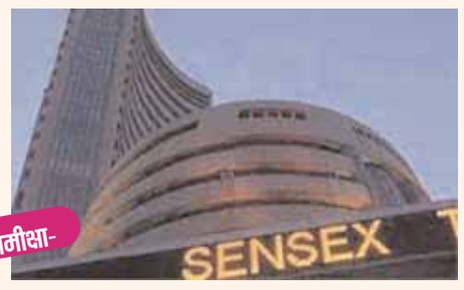

मुंबई, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर नीचे भाव पर हुई भारी लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह लगभग दो प्रतिशत तक उछले घरेलू शेयर बाजार में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव समाप्त होने से उथलपुथल कम होने की उम्मीद हैलेकिन निवेशकों की नजर आगामी आर्थिक संकेतकों पर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1567.11 अंक अर्थात 2.02 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 79117.11 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 374.55 अंक यानी 1.6 प्रतिशत मजबूत होकर 23907.25 अंक पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी लिवाली का जोर रहा। इससे मिडकैप 739.62 अंक अर्थात 1.7 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 45029.22 अंक और स्मॉलकैप 230.95 अंक यानी 0.44 प्रतिशत चढ़कर 52612.93 अंक हो गया। विश्लेषकों के अनुसार, पिटे हुए शेयरों की मजबूत खरीददारी की बदौलत बाजार ने शुक्रवार को जबरदस्त उछाल के साथ बीते सप्ताह के नुकसान की भरपाई कर ली। हालांकि निवेशकों को इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए बाजार की प्रवृत्ति में बदलाव के बारे में अधिक स्पष्टता की जरूरत है कि वर्तमान उछाल सांता क्लॉज रैली में बदल जाएगा। निवेशकों ने अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी के खिलाफ अमेरिका में समन जारी होने से उत्पन्न खौफ को नजरअंदाज कर दिया है और उम्मीद जताई है कि राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे बाजार में और अधिक स्थिरता लाएंगे। कई ब्लू चिप कंपनियां औसत से कम मूल्यांकन पर उपलब्ध हैं जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में सार्थक सुधार व्यापक आधार वाली गति के लिए अवसर प्रदान कर रहे हैं। रियल्टी, एफएमसीजी, ऑटो, खपत, बैंक और आईटी समूह के शेयरों में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़े और डॉलर में मजबूती से घरेलू बाजार में आईटी शेयरों को समर्थन मिला है।

अधिकांश राज्यों में विधानसभा चुनाव अब समाप्त हो चुके हैं और बाजार में स्थिरता आ सकती है क्योंकि आने वाले महीनों में वित्त वर्ष 2024-25 के पूंजीगत व्यय लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकारी खर्च में सुधार होगा। अच्छे मानसून, त्यौहार और शादी के सीजन से उपभोग मांग पर असर पड़ सकता है। निवेशकों की नजर आगामी आर्थिक संकेतकों जैसे पीएमआई, औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और महंगाई के आंकड़े पर रहेंगी ताकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में कॉर्पोरेट आय में 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सके।

बीते सप्ताह बुधवार को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मतदान के कारण अवकाश रहने से बाजार में चार दिन ही कारोबार हुए, जिनमें से दो दिन तेजी और दो दिन गिरावट रही। वैश्विक स्तर से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर आईटी, टेक, ऊर्जा, तेल एवं गैस और पावर जैसे समूहों में हुई बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 241.30 अंक टूटकर 77339.01 अंक और निफ्टी 78.90 अंक फिसलकर 23453.80 अंक पर रहा।

विश्व बाजार के मिलेजुले रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर अधिकांश समूहों में हुयी लिवाली की बदौलत मंगलवार को शेयर बाजार में पिछले चार दिनों से जारी बिकवाली पर ब्रेक लग गया सेंसेक्स 239.37 अंक की बढ़त के साथ 77578.38 अंक और निफ्टी 64.70 अंक की तेजी के साथ 23518.50 अंक पर रहा।

ओला इलेक्ट्रिक से परेशान हो रहे ग्राहक

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर तोड़ने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में हथौड़े से एक ग्राहक अपने ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर को तोड़ रहा है। वायरल वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक, ग्राहक ने एक महीने पहले ही ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था और उसमें परेशानी आने लगी। वीडियो में कंपनी पर आरोप लगाया गया कि उसे ठीक करने का खर्च 90,000 रुपए बताया जा रहा है।

■ स्कूटर में खराबी पर आया 90 हजार रुपए का बिल
■ सीसीपीए ने भेजा था कंपनी को कारण बताओ नोटिस

वीडियो में दिखाया गया कि सफेद टी-शर्ट में एक व्यक्ति ओला इलेक्ट्रिक शोरूम के सामने ही स्कूटर को तोड़ रहा है। साथ ही बड़ी संख्या में भीड़ भी शोरूम के बाहर जमा है। ओला इलेक्ट्रिक के स्कूटर में लगातार ग्राहकों को सॉफ्टवेयर से लेकर हार्डवेयर तक में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन को लेकर सीसीपीए ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस भेजा था। भाविश अग्रवाल के नेतृत्व वाली ओला इलेक्ट्रिक की उपभोक्ता शिकायत समाधान प्रक्रिया को लेकर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने विस्तृत जांच के आदेश चुका है।

पाम ऑयल व वनस्पति तेल उबले, अधिकांश दालें सस्ती

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में भारी गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में पाम ऑयल और वनस्पति तेल 439 रुपए प्रति क्विंटल ते उबल गए जबकि ऊंचे भाव पर उठाव कमजोर रहने से अधिकांश दालें सस्ती हो गईं वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 332 रिंगिट लुढ़ककर 4787 रिंगिट प्रति टन आ गया। इसी तरह दिसम्बर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.72 सेंट की गिरावट के साथ 41.84 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। पाम ऑयल 367 रुपए और वनस्पति तेल 439 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और सोया रिफाइंड के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19047 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14358 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15018 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13187 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 50 रुपए, दाल चना 50 रुपए और उड़द दाल 200 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल, और अरहर दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

एनसीएच ने एक हजार कंपनियों को किया ऑनबोर्ड

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के समाधान में तेजी लाने के लिए अपने कन्वर्जेंस प्रोग्राम के तहत 1,000 से अधिक कंपनियों के साथ साझेदारी की है। ये कंपनियां ई-कॉमर्स, यात्रा और पर्यटन, निजी शिक्षा, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, रिटेल आउटलेट, ऑटोमोबाइल, डीटीएच, केबल सर्विसेज, बैंकिंग और अन्य प्रमुख क्षेत्रों से हैं।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा रविवार को बताया गया कि कन्वर्जेंस प्रोग्राम के तहत इन कंपनियों से संबंधित शिकायतें ऑनलाइन समाधान के लिए सीधे उनके पास स्थानांतरित कर दी जाती हैं। आगे कहा कि साझेदारी कंपनियों की संख्या बढ़कर 1,009 हो गई है, जो कि 2017 में 263 थी। यह वृद्धि हेल्पलाइन की दक्षता बढ़ाने, त्वरित और प्रभावी शिकायत निवारण को सक्षम करने और पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में इन भागीदारों की भूमिका को उजागर करती है।

यह साझेदारी सुनिश्चित करती हैं कि उपभोक्ता शिकायतों का निपटान मुकदमेबाजी होने से पहले के चरण में ही कर लिया जाए, जिससे उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा मिले। हालांकि, यदि कोई शिकायत अनसुलझी रहती है, तो उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपयुक्त उपभोक्ता आयोग से संपर्क कर सकते हैं।

■ अब तेजी से होगा शिकायतों का समाधान
■ उपभोक्ता विभाग ने की शीर्ष दस नॉन-कन्वर्जेंस कंपनियों की पहचान

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने शीर्ष दस नॉन-कन्वर्जेंस कंपनियों की पहचान की है जिन्हें चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) के दौरान सबसे अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन कंपनियों में डेल्हीवेरी लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्सकॉम्पडॉटकॉम, डोमिनोज पिज्जा, हायर एप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फर्स्टक्राई.कॉम, थॉमसन इंडिया, महिंद्रा और महिंद्रा, रैपिडो, ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड और सिम्फनी लिमिटेड शामिल हैं। आधिकारिक बयान में कहा गया कि चल रही शिकायतों को लेकर और कन्वर्जेंस प्रोग्राम में साझेदार बनाने के लिए इन कंपनियों के साथ अगले हफ्ते बैठक प्रस्तावित है।

बयान में आगे कहा गया कि एनसीएच के तकनीकी परिवर्तन से इसकी कॉल-हैंडलिंग क्षमता में मजबूत वृद्धि हुई है। एनसीएच द्वारा प्राप्त कॉलों की संख्या जनवरी 2015 में 14,795 कॉल से बढ़कर जनवरी 2024 में 1,41,817 कॉल तक लगभग दस गुना हो गई है। यह तेजी से वृद्धि अपनी शिकायतें दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन का उपयोग करने में उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। प्रति माह दर्ज की जाने वाली शिकायतों की औसत संख्या 2017 में 37,062 से बढ़कर 2024 में 1,12,468 हो गई है।

सार संक्षेप

जालंधर में धान के लिए 2404 करोड़ का भुगतान

जालंधर। पंजाब में जालंधर के उपायुक्त डा. हिमांशु अग्रवाल ने रविवार को कहा कि शनिवार तक किसानों को खरीदे गए धान का 2404 करोड़ का भुगतान सुनिश्चित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जिले की मंडियों में 10,53,721 मीट्रिक टन धान की आमद हो चुकी है, जिसमें से 10,47,818 मीट्रिक टन धान विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा खरीदा जा चुका है। उपायुक्त ने कहा कि मंडियों में धान की तेजी से लिफ्टिंग सुनिश्चित की जा रही है और कल तक 9,13,056 मीट्रिक टन धान की लिफ्टिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा धान की खरीद व्यवस्था के अलावा पराली न जलाने और आधुनिक मशीनों से पराली का प्रबंधन करने एवं डी.ए.पी. की जमाखोरी को रोकने के लिए किसानों को डी.ए.पी. विकल्प के तौर पर प्रयुक्त उर्वरकों का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

आईटीआई की बेहतरी के लिए मंत्रालय बना रहा प्रस्ताव

नई दिल्ली। कौशल मंत्रालय ने 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को बेहतर बनाने की योजना पर साझेदारों से विचार-विमर्श पूरा कर लिया है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय आईटीआई के उन्नयन के मसौदे के दिशानिर्देश तय कर रहा है। फिर इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जाना है। सरकार ने वित्त वर्ष 25 के बजट में 1,000 आईटीआई के उन्नयन की योजना पेश की थी। कौशल मंत्रालय के अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि हम राज्यों, विभागों और उद्योग से परामर्श कर चुके हैं। यह प्रक्रिया आमतौर पर विभिन्न चरणों से गुजरती है। लिहाजा मंत्रालय सरकार के तय तरीके के अनुसार प्रक्रिया को पूरा कर रहा है। हम स्वीकृति प्रक्रिया के करीब पहुंच रहे हैं। हम अपनी कई नई सोच को यथार्थ के धरातल पर लेकर आ रहे हैं।

दिसम्बर में 10 कंपनियों के आईपीओ से आएगी बहार

नई दिल्ली। अगले महीने में प्राइमरी मार्केट में तेजी की उम्मीद है। दिसम्बर महीने में कम-से-कम 10 कंपनियां इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए 20,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही हैं। इसमें विशाल मेगा मार्ट जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। मर्चेंट बैंकरों के मुताबिक दिसम्बर में सुपरमार्ट विशाल मेगा मार्ट, ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली डायमंड ग्रेडिंग कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (इंडिया) लिमिटेड समेत 10 कंपनियां अपने आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं। इसके अलावा शिक्षा-केंद्रित एनबीएफसी अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज, टीपीजी कैपिटल समर्थित साई लाइफ साइंसेज, अस्पताल श्रृंखला परिचालक पारस हेल्थकेयर और निवेश बैंक डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स भी दिसम्बर में अपनी पेशकश करेंगी। ये आईपीओ विभिन्न क्षेत्रों और आकारों के होंगे।

सार समाचार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनीं प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

सिरोंज, देशबन्धु। रविवार को वॉर्ड क्रमांक 18 बूथ क्रमांक-229/230 पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सुना गया। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा (साईनाथ), वॉर्ड क्रमांक 19 पार्षद प्रतिनिधि बलजीत यादव एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शरद चौरसिया, सुनील सेन, अजय जोगी, नितिन अग्रवाल एवं समस्त कार्यकर्ताग उपस्थित रहे।

हाजियों का रेलवे स्टेशन पर किया स्वागत

सिरोंज, देशबन्धु। मक्का मदीना से वापस आने वाले हजरात इमरान कुरेशी, जाकिर कुरेशी, याया मौलाना का भोपाल जंक्शन पर पहुंचकर भाजपा नेता बाबू भाई ठेकेदार द्वारा फूल माला पहनाकर इस्तकबाल किया। इस मौके पर सुलेमान कुरैशी, शमी ऊल्लाह कुरैशी, डॉक्टर अनस कुरैशी, इरफान कुरैशी, गुफरान कुरैशी, कामरान ठेकेदार, अरशद कुरैशी, कैफ कुरैशी, नासिर कुरेशी, हसीन कुरैशी, बिलाल कुरैशी, इफराज़ कुरैशी आदि लोग मौजूद रहे।

बृज मैमोरियल स्कूल में लगा बाल मेला

सिरोंज, देशबन्धु। रविवार को ब्रज मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल में बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूल संचालक पंडित प्रशांत पालीवाल द्वारा अतिथियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एडवोकेट अशोक कुमार निगम, समाजसेवी अरविंद जैन, काशीराम रघुवंशी, और एडवोकेट अमर सिंह कुशवाह आदि उपस्थित रहे। मेले में बच्चों के द्वारा विभिन्न खाद्यान व्यंजन की दुकानें लगाई गई थी और बच्चों ने राम मंदिर, चर्च, ग्रीन घर, मिसाईल,अस्पताल सहित विभिन्न विज्ञान के प्रोजेक्ट बनाये गये थे जो देखने में काफी आकर्षक रहे। और छोटे छोटे बच्चों ने मिक्की माउस झूला व कूदने वाले झूले पर झूलकर मनोरंजन किया। जिसका अतिथियों ने एवं क्षेत्र के समस्त जनता ने शामिल होकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एनसीसी कैडेट्स ने दिखाई प्रतिभा

कन्या महाविद्यालय में एनसीसी दिवस पर हुआ कार्यक्रम

विदिशा, देशबन्धु। एनसीसी दिवस के अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक प्रेरक और जीवंत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा के मार्गदर्शन में आयोजित उक्त कार्यक्रम ने उपस्थित सभी लोगों पर एक स्थायी छाप छोड़ी।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत पारंपरिक सरस्वती पूजा के साथ हुई, जिसमें ज्ञान और शिक्षा की देवी का आशीर्वाद लिया गया जिसमें महाविद्यालय स्टाफ और कैडेटों ने पूर्ण तन्मयता से सहभागिता निभाई है। कार्यक्रम में जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शनों का एक क्रम आयोजित किया गया, जिसमें कैडेटों की प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। कैडेट्स द्वारा लोक नृत्य, मधुर गीत की प्रस्तुति दी गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीता पांडे ने कैडेट्स से कहा कि आत्मविश्वासी नागरिकों को आकार देने में एनसीसी के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। उन्होंने जीवन में समय का सब काम हो इसके लिए पाबंद किया है। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. विनीता प्रजापति ने कैडेट्स की उपलब्धियों को साझा किया। साथ ही प्रोफेसर रवि रंजन राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विशेष सशक्त भाषण के साथ सभा को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। हवलदार गणेश घाडगे ने अपनी व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और उपाख्यानों के साथ कैडेटों को अपने जीवन में अनुशासन और दृढ़ संकल्प को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स के साथ-साथ महाविद्यालय की छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिन्होंने अनुशासन और उत्साह का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों के बीच एकता और नेतृत्व की भावना पैदा करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र और टीम-निर्माण गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मनाया एनसीसी दिवस

सिरोंज, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को एनसीसी दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने बताया कि विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजग विधायक उमाकांत शर्मा ने एनसीसी दिवस के संबंध में जानकारी प्राप्त की। एनसीसी अधिकारी महेश भाबोर ने जानकारी दी कि महाविद्यालय से एक कैडेट आदर्श सेंगर को विदिशा जिले से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के चयन हेतु भोपाल में विशेष शिविर के लिए भेजा गया है। एनसीसी दिवस पर डॉक्टर सैयद उरूज अहमद ने विद्यार्थियों को एनसीसी की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात डॉक्टर आनंद यादव के नेतृत्व में एनसीसी के विद्यार्थियों ने पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत महाविद्यालय में विकसित किए गए विद्या वन में पौधों की निदाई गुड़ाई की एवं पानी दिया। इसके साथ ही महाविद्यालय को पॉलिथीन मुक्त कर स्वच्छता अभियान चलाया। महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिव कुमार भार्गव ने एनसीसी दिवस पर समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन कैडेट शिवम सेन ने किया।

महाराष्ट्र में मिली जीत की खुशी में शिवसेना ने बांटी मिठाई

विदिशा, देशबन्धु। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन में शामिल एकनाथ शिंदे गुट शिवसेना की जीत पर शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। जिला प्रमुख राहुल जोशी ने बताया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन को बंपर जीत मिली है। इसी के उपलक्ष्य में शिवसेना कार्यालय में ढोल नगाड़े बजाए गए और मिठाई बांटी गई। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में शिवसेना एकनाथ शिंदे की जीत की खुशी में शिवसेना प्रदेश प्रमुख राजीव चतुर्वेदी के नेतृत्व विदिशा कार्यालय पर खुशियां मनाई गई और मिठाइयां बाटी गईं। ढोल ताशे बज बाए गए तो वहीं बैठक रखी गई। जिसमें सभी शिवसेना परिवार की विचारधारा सबसके सामने रखी। इस अवसर पर शिवसेना नगर अध्यक्ष आशीष मालवीय, शिवसेना नगर संयोजक आशीष शर्मा, नगर उपाध्यक वीरू कुशवाह, नगर मीडिया प्रभारी रोहित दांगी, रामस्वरूप जाटव, तहसील अध्यक्ष अंकित जोशी, नगर संगठन अध्यक्ष दशरथ केवट, नगर मंडल अध्यक्ष आशु चौबे, नगर सचिव अजय यादव, नगर मंडल उपाध्यक्ष दीपक सोनी, नगर संगठन महामंत्री वार्ड अध्यक्ष करण ठाकुर, वार्ड उपाध्यक्ष अजय नामदेव, वार्ड उपाध्यक्ष रजत दांगी, विवेक जोशी, वार्ड अध्यक्ष सागर चौबे वार्ड अध्यक्ष एवं समस्त शिव सैनिक उपस्थित हुए।

सेंटमैरी स्कूल में वार्षिक उत्सव मनाया गया

विदिशा, देशबन्धु। सेंटमेरी हाई सेकेंडरी स्कूल में प्री-प्राइमरी के वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसका नाम रिश्ते दिया गया। इसका मतलब होता है प्यार का बंधन। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. जेम्स अथिकालम (सागर के बिशप), मुख्य अतिथि विधायक मुकेश टंडन, विशेष अतिथि फादर साबू पुथेनपुराकल (शिक्षा निदेशक, एसडीएसएस), मुख्य अतिथि प्रीति राकेश शर्मा एवं राकेश शर्मा रहे। अपने उद्बोधन में विशप ने कहा कि सेंटमेरी लगातार कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में विदिशा शहर को अच्छी सेवाएं देता आ रहा है जो निरंतर जारी रहेगी। फादर साबु ने कहा की अच्छी और बुरी परिस्थितियों में हर समय सेंटमेरी विदिशा के साथ खड़ा रहा है और सेंटमेरी को विदिशा के लोगों का बहुत प्यार मिला है। प्रीति राकेश शर्मा ने कहा कि सेंटमेरी के बच्चों की यह प्रस्तुति हमेशा याद रहेगी। प्रिंसिपल अंसम्मा मैथ्यूसिस्टर ने सेंटमैरी के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत किया एवं फादर सीजो ने आभार व्यक्त किया। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुति के माध्यम से पर्यावरण बचाओ माता पिता का सम्मान करो एवं बुढ़ापे में उनका सहारा बनो को लेकर प्रेरणात्मक प्रस्तुति दी और दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों और उत्कृष्ट बच्चों को सम्मानित किया गया।

अपडाउनर्स प्रोगेसिव वेलफेयर एशोसियेशन ने सौंपा ज्ञापन

विदिशा, देशबन्धु। अपडाउनर्स प्रोगेसिव वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने रविवार को रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन प्रबंधक को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर रेल मंत्रालय भारत सरकार के नाम प्रेषित किया गया। ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि विदिशा रेलवे स्टेशन पर कुछ साप्ताहिक ट्रेनों को डेली किया जाए और कुछ ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया जाए। वहीं कोरोनाकाल के समय बंद की गई झांसी इटारसी पैसेंजर को दोबारा चालू करने की मांग की गई है। इसके अलावा कर्नाटक एक्सप्रेस के स्टॉपेज की मांग की विदिशा में की गई है। अयोध्या जाने के लिए एक ट्रेन जो विदिशा से होकर गुजरती है, लेकिन उसका स्टॉपेज नहीं है, यात्रियों और श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए उसका स्टॉपेज विदिशा में किए जाने की मांग की गई है। इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष मोहम्मद अजीमुद्दीन के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

गर्ल्स कॉलेज के पास सड़क में दरार की मरम्मत न होने पर कांग्रेसियों ने जताया विरोध

विदिशा, देशबन्धु। रविवार को सांची विदिशा मार्ग स्थित गर्ल्स कॉलेज के पास सड़क के बीच में काफी लंबी दरार आ गई है। जिससे यहां निकलने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके विरोध में कांग्रेस ने सड़क के बीच आई दरार में गेहूं की बोकर विरोध दर्ज किया।

कांग्रेस नेता विवेक ठाकुर का कहना था कि शहर की सड़कों की हालत बद् से बद्तर हो चुकी है, लेकिन नगर पालिका द्वारा ऐसी जगह सड़कों का निर्माण किया जा रहा है जहां पर पहले से ही सड़कें बनी हुई हैं। ऐसे में नगर पालिका द्वारा नगर की बदहाल सड़कों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, क्योंकि पिछले कई महीनों से नगर के लोग गड्ढों भरी सड़क और धूल खाने को मजबूर हैं, लेकिन नगर पालिका को आम व्यक्ति की कोई चिंता नजर नहीं आती है। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों की हालत ऐसी हो चुकी है कि पता ही नहीं लगता कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है। जबकि चुनाव के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन चुनाव होने के बाद जनता को उनके भरोसे छोड़ दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सांची विदिशा मार्ग गर्ल्स कॉलेज के पास सड़क पर काफी लंबी और चौड़ी दरार हो चुकी है। जहां से गुजरने पर दो पहिया वाहन चालकों को काफी परेशानियां होती है। उन्होंने कहा कि इस सड़क से प्रतिदिन जिले के अधिकारी कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों का आना-जाना रहता है, लेकिन अब तक इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई। उन्होंने नगर पालिका से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़कों का निर्माण किया जाए और ऐसी जगह सड़कें न बनाई जाएं जो पहले से बनी हुई हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

शक्तिपीठ में गायत्री परिवार की बैठक आयोजित

विदिशा, देशबन्धु। रविवार को गायत्री परिवार जिला विदिशा की एक बैठक राजीव नगर शक्तिपीठ में संपन्न हुई। गोष्ठी में मार्गदर्शन हेतु तपोभूमि मथुरा के वरिष्ठ परिजन ईश्वर शरण पांडे, उप जोन समन्वयक रघुनाथ हजारी, राकेश शर्मा कार्यकर्ता तपोभूमि मथुरा, जिला समन्वयक मुकेश तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, सदस्य उपजोन समन्वयक समिति तथा जिले भर के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ईश्वर शरण पांडे ने तपोभूमि मथुरा में नवनिर्मित होने वाले मंदिर के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला, इसके अलावा मथुरा से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं के विषय में तथा परम पूज्य गुरुदेव के जीवन पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। रघुनाथ हजारी ने सभी को मंडीदीप में 13 से 16 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आमंत्रण दिया। गोष्ठी का संचालन तथा आभार जिला समन्वयक मुकेश तिवारी ने किया। इस बैठक में विदिशा जिले के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद सबने साथ बैठकर भोजन प्रसादी ग्रहण की।

ग्राम सोराई में खेत पर बने तालाब में युवक डूबा, मौत

विदिशा, देशबन्धु। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सोराई में एक खेत पर बने तालाब में एक युवक के डूबने की सूचना पुलिस को दी गई थी। शनिवार की शाम को सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन अंधेरा होने की वजह से खोज अधूरी रही। रविवार की सुबह दोबारा जब रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया तो युवक के शव को बाहर निकाल गया। पुलिस ने बताया कि युवक के विदिशा के उदयनगर कॉलोनी का निवासी है और ग्राम मूड़रा में उसकी खेती है। युवक के शव को मेडिकल कॉलेज में पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

बालक वर्ग में इंदौर, बालिका वर्ग में नर्मदापुरम को मिला खिताब

विदिशा, देशबन्धु। जिला खेल परिसर में आयोजित की जा रही 68वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष पंकज पांडे, भोपाल क्रिकेट एसोसिएशन के जॉइंट सेकेट्री संदीप सिंह डोंगर, प्रतियोगिता के ऑब्जर्वर शेख सलीम, जिला शिक्षाधिकारी आरके ठाकुर मौजूद थे। रविवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन भोपाल बनाम जनजातीय के मध्य तृतीय स्थान के लिए मुकाबला हुआ, जिसमें भोपाल ने 3-1 से मुकाबले जीते हुए तृतीय स्थान अर्जित किया। वहीं बालिका वर्ग में तृतीय स्थान का मुकाबला ग्वालियर बनाम उज्जैन के मध्य खेला गया। जिसमें ग्वालियर ने 3-1 से मुकाबला जीत लिया। फाइनल मुकाबले से पूर्व दोनों ही टीमों और दर्शकों ने राष्ट्र गान का गायन किया। मुख्य अतिथि वीर सिंह रघुवंशी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा की खेल से खिलाड़ियों में एकता की भावना विकसित होती है शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं। बालक वर्ग में फाइनल मुकाबला इंदौर बनाम उज्जैन के मध्य खेला गया मुकाबला इतना कड़ा था कि दोनों ही टीमों ने हॉफ समय तक एक भी गोल नहीं कर सकी लेकिन श्रीमंत के प्रदर्शन की बदौलत इंदौर ने 4-1 के स्कोर से बालक वर्ग में प्रतियोगिता अपने नाम की। वहीं बालिका वर्ग में फाइनल मुकाबला जनजातीय बनाम नर्मदापुरम के मध्य खेला गया। नर्मदा पुरम ने 2-0 से यह मुकाबले जीतते हुए विजयश्री प्राप्त की। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कीर्ति को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से नवाजा गया। वहीं बालक वर्ग में श्रीमंत को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से पुरस्कृत किया गया।

स्कूल के 2 अतिरिक्त कक्ष जर्जर, बच्चों के लिए बढ़ा खतरा

लवकुशनगर, देशबन्धु। विकासखण्ड के अंतर्गत जनशिक्षा केन्द्र टहनगा की शासकीय प्राथमिक शाला हिनौता में बनाए गए दो अतिरिक्त कक्ष देखरेख के आभाव में जर्जर हो गए हैं। जिससे बच्चों के लिए अनहोनी का खतरा बढ़ गया है।

ग्राम हिनौता के इस प्रायमरी स्कूल में कक्षा एक से पांचवीं तक के 80 बच्चों के नाम दर्ज हैं। इनके बैठने के लिए दो कमरे और एक वरांडा ही है। स्कूल में बनाए गए अतिरिक्त कक्षों की हालत खराब हो चुकी है। इन खस्ताहाल कमरों की छत से प्लास्टर गिर रहा है। फर्श जगह जगह से खराब हो चुका है।

खराब कमरों से सटे कमरों में बच्चे बैठकर पढ़ाई करते हैं उन्हें अनहोनी का डर बना रहता है। लोगो का कहना है कि अतिरिक्त कक्षों का निर्माण बेहद घटिया तरीके से कराने के कारण कुछ साल में ही ये दोनों कमरे जर्जर हो गए हैं। सुरेशचंद्र शर्मा ने बताया कि कमरे क्षतिग्रस्त होने से बच्चों की सुरक्षा की चिंता बनी रहती है। स्कूल की बाउन्ड्रीवाल भी गिर गई है जिससे परिसर में फैली रहती है।

एनसीसी कैडेट ने प्रस्तुत किए मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम

नौगांव, देशबन्धु। रविवार को एनसीसी दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय बापू महाविद्यालय में 25 एमपी बटालियन एनसीसी के बालक एवं बालिका इकाई के कैडेट ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। कर्नल नितिन थापा एवं प्राचार्य डॉ पीके मिश्रा के निर्देश पर नवंबर के चौथे रविवार को एनसीसी दिवस उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति के गीतों पर नृत्य व वादन के कई आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में भाग लेने वाले कैडेट्स को मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की एनसीसी आफीसर लेफ्टिनेंट शीतल सूरोठिया ने की। इस मौके पर पॉलिटेक्निक कालेज के एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डीआर अहिरवार, सहायक प्राध्यापक अमित कुमार प्रजापति, उमेश कुमार अहिरवार, हीरालाल जाटव, भारतेंद्र पटेरिया, पूर्व एनसीसी सीनियर्स आशुतोष गुप्ता, अश्विनी मिश्रा, शीतल अहिरवार, शीलेंद्र अहिरवार, रुचि पटेरिया और अंजली अहिरवार सहित बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स मौजूद थे।

मेडीकल कॉलेज बनेगा लेकिन पीपीपी मोड पर नहीं जाएगा जिला आस्पताल

बैतूल विधायक नें मुख्यमंत्री-स्वास्थमंत्री का आभार माना

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के विशेष प्रयासों से जिला मुख्यालय बैतूल में स्वीकृत हुए मेडीकल कॉलेज में जिला अस्पताल को भी पीपीपी मोड पर सौपनें का प्रावधान था। मेडीकल कॉलेज की स्थापना के दौरान जिला अस्पताल को पीपीपी मोड पर देनें की बजाए उसका स्वरूप यथावत रखनें के लिए विधायक श्री खण्डेलवाल द्वारा म.प्र.के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री - स्वास्थमंत्री से भेंट कर मॉग की गई थी। आखिरकार विधायक के प्रयास रंग लाए। बैतूल में मेडीकल कॉलेज की स्थापना तो होगी लेकिन जिला अस्पताल पीपीपी मोड पर नहीं जाएगा उसका स्वरूप यथावत रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता और डिप्टी सीएम स्वास्थ - चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ.राजेन्द्र शुक्ल, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, सीएस अनुराज जैन की मौजूदगी में शनिवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में बैतूल सहित प्रदेश के 12 सरकारी जिला अस्पतालों को पीपीपी मोड पर मेडीकल कॉलेज बनानें के संबंध में यह निर्णय लिया गया कि जिला अस्पतालों को पीपीपी मोड पर न सौपंकर केवल टीचिंग और प्रैक्टिस के लिए उपलब्ध कराया जाएगा । उक्त निर्णय के लिए बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री ,स्वास्थ - चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ.राजेन्द्र शुक्ल को धन्यवाद ज्ञापित कर आभार माना।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बैतूल सहित म.प्र के 12 सरकारी जिला अस्पतालों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप पर मेडीकल कॉलेज बनानें की घोषणा करनें के बाद जिला प्रशासन एवं स्वास्थ विभाग द्वारा कार्यवाही शुरु कर दी थी। मेडीकल कॉलेज निर्माण के लिए बैतूल सहित अन्य जिलों में भूमि भी आवंटित कर दी गई थी। पीपीपी मोड पर मेडीकल कॉलेज स्थापना के प्रोजेक्ट में जिला अस्पताल को पीपीपी मोड पर देनें का प्रावधान था। मेडीकल कॉलेज की स्थापना के दौरान बैतूल जिला अस्पताल को पीपीपी मोड से मुक्त रखनें के लिए जिलेवासियों द्वारा बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल से लगातार मॉग की जा रही थी। जिसे गंभीरता से लेकर बैतूल विधायक नें मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ मंत्री से पत्राचार एवं व्यक्तिगत भेंट कर जिला अस्पताल के स्वरूप को यथावत रखनें के संबंध में तथ्यात्मक जानकारी से अवगत कराकर पीपीपी मोड से मुक्त रखनें की मॉग ही। परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता एवं उपमुख्मंत्री, स्वास्थ चिकित्सा शिक्षा मंत्री, बैतूल विधायक तथा मुख्य सचिव की मौजूदगी में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया कि मेडीकल कॉलेज की स्थापना के दौरान जिला अस्पताल को पीपीपी मोड से मुक्त रखा जाएगा। इस निर्णय के लिए बैतूल विधायक नें जिलेवासियों की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री-स्वास्थमंत्री डॉ.राजेन्द्र शुक्ल का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कांग्रेस का संघर्ष रंग लाया- मोनू - जिला अस्पताल को भी प्राइवेट सेक्टर के हाथ में नहीं देने के फैसले पर कांग्रेस ने कहा कि लौट कर कम अक्ल घर पर आए। जिला कांग्रेस प्रवक्ता मोनू वाघ ने कहा बैतूल जिले में जिला अस्पताल को पीपीपी मोड के मेडिकल कालेज के लिए प्राइवेट सेक्टर के हाथो में दिए जाने का जिला कांग्रेस ने पुरजोर विरोध किया था। उनका कहना है कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में जिले के कांग्रेसियो ने 8 अगस्त को बरसात में भीगते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल और ज्ञापन देकर इस मामले को आम जनता के बीच लेकर गई थी। इसके बाद भी हर मौके पर इस मुद्दे को उठाया गया। इससे आम जनता में सरकारी अस्साल के निजी हाथो में जाने का आंतरिक आक्रोश फैल गया। बैतूल सहित अन्य जिलों में भी विरोध शुरू हुआ। इसी का नतीजा है कि सरकार को बैक फुट पर आना पड़ा और सरकारी अस्पताल को प्राइवेट हाथो में देने का फैसला बदलना पड़ा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे का कहना है कि सरकार यह भी बताए कि प्राइवेट मेडिकल कालेज कब तक अपना स्वयं का अस्साल बनाएगा और उक्त अस्साल में आम जनता के निशुल्क इलाज के लिए कितने बेड उपलब्ध रहेंगे। प्रदेश सरकार के साथ बैतूल के सांसद सहित सभी विधायक जनता को जवाब दे।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

सोनतलाई बाढ़ रेस्क्यू में उत्कृष्ट योगदान के लिए अश्विनी साहू सम्मानित

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम जम्बाडा के युवा अश्विनी साहू को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आमला द्वारा बाढ़ आपदा में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए

प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। एसडीएम शैलेन्द्र बड़ोनिया ने ग्राम सोनतलाई में बाढ़ रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अश्विनी के सराहनीय योगदान और समाजसेवा के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा की। अश्विनी साहू ने ग्राम सोनतलाई में बाढ़ आपदा के समय रेस्क्यू कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया था और प्रभावित लोगों को बचाने में अपनी भूमिका निभाई थी। उनके इस योगदान को एक आदर्श नागरिक के रूप में सराहा गया। एसडीएम शैलेन्द्र बड़ोनिया ने अश्विनी साहू को प्रशस्ति-पत्र सौंपते हुए कहा कि ऐसे युवाओं का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने अश्विनी को भविष्य में भी इसी तरह समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय रहने की शुभकामनाएं दीं। अश्विनी साहू ने सम्मान मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा के समय समाज के हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

कोदू बाबा के आश्रम में गोंडी डंडार का आयोजन आज

बैतूल, देशबन्धु। शाहपुर ब्लॉक के बोन्द्री और कानेगांव के बीच स्थित कोदू बाबा के आश्रम परिसर में 12 जातियों के बारहलिंग जन्मदिन के अवसर पर

आज 25 नवंबर को गोंडी डंडार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन में बारहलिंग के जन्मदिन के साथ-साथ 12 जातियों और उनकी उपजातियों को एकत्रित करने का प्रयास किया गया है। कोदू बाबा ने सभी जातियों के लोगों से अपील की है कि वे अपनी-अपनी जातियों के बारहलिंग के बारसा जन्मदिन पर आयोजित इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जातियों के बीच आपसी एकता, सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और पारंपरिक मान्यताओं को बढ़ावा देना है। आयोजन में भजन-गीत, रामायण पाठ, गोंडी डंडार, और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कोदू बाबा ने बताया कि यह कार्यक्रम सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह आयोजन पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को भी आगे बढ़ाने का काम करेगा।

दिवाली गोठान महोत्सव 1 दिसम्बर को

बैतूल, देशबन्धु। सर्व आदिवासी समाज के तत्वाधान में आदिवासी सामुदायिक मंगल भवन में रविवार 24 नवंबर को बैठक आयोजित की गई। बैठक में 1 दिसंबर दिन रविवार को जिला स्तरीय दिवाली गोठान सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। समाज के अविनाश धुर्वे ने बताया कि जिला मुख्यालय के शिवाजी ऑडिटोरियम में 1 दिसंबर को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक दिवाली गोठान महोत्सव में आदिवासी समाज की संस्कृति रीति रिवाज, परंपरा देखने को मिलेगी। दिवाली गोठान महोत्सव में पूरे जिले से गोंड गायकी (ठाठिया) समुदाय के जाने माने 200 से अधिक कलाकार गोठान में गायकी नृत्य की प्रस्तुति देंगे। गोंडी डंडार की लगभग दो दर्जन टीमों के द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। कोरकू आदिवासी समुदाय की गड़ली नृत्य की टीमें भी महोत्सव में शिरकत करेगी। अंकित कुमरे ने बताया कि दिवाली गोठान सांस्कृतिक महोत्सव की शुरुआत पड़ापेन ठाना सदर से होगी एवं गोठान महोत्सव का आयोजन रानी दुर्गावती आडिटोरियम में किया जाएगा। विशाल धुर्वे ने बताया कि इस गोठान सांस्कृतिक महोत्सव में बैतूल जिले के अलावा अन्य जिलों के भी आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुचेंगे। कार्यक्रम में सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी गई है। इस बैठक में आकास संगठन जिला अध्यक्ष शंकर सिंह आहके, युआवि संगठन जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने, अविनाश धुर्वे, अंकित कुमरे, विशाल धुर्वे, अनिल परते, रामदास उइके, उमेश परते,प्रकाश उइके, करण चढ़ोकार सहित अन्य सामाजिक बन्धु उपस्थित थे।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग आज से

बैतूल, देशबन्धु। इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी मोनिका चौधरी ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग की थीम पर आधारित चार स्टेज में इस कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें युवा द्वारा माय भारत पोर्टल पर जाके 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक प्रतिभाग किया जा सकता है। 15 से 29 वर्ष के युवा इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं। पहले चरण में विकसित भारत की थीम पर ऑनलाइन क्विज कंपटीशन का आयोजन माय भारत पोर्टल पर होगा। इसमें से चुने गए प्रतिभागी दूसरे चरण में ऑनलाइन निबंध लेखन में भाग लेंगे। तीसरे लेवल पर स्टेट चैंपियनशिप भोपाल में और चौथी और आखिरी चरण में नेशनल चैंपियनशिप नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री की मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा यंग माइंड को अपने देश की संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से जोड़ना होगा और साथ ही साथ युवाओं से संवाद कर उनके विचार को प्रमुखता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर साझा करना होगा। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3000 युवा नेताओं के साथ संवाद करेंगे।

भारतीय मजदूर संघ का श्रमिक संपर्क अभियान 1 दिसंबर से

संगठित व असंगठित क्षेत्र के लगभग 50 हजार श्रमिकों से किया जाएगा संपर्क

बैतूल, देशबन्धु। भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई बैतूल की जिला बैठक रविवार 24 नवंबर को बिजली कर्मचारी महासंघ कार्यालय बैतूल में संपन्न हुई। बैठक की जानकारी देते हुए भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाब राव गायकवाड़ ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष योजना के अंतर्गत श्रमिक संपर्क अभियान 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक होना है जिसमें जिले के संगठित व असंगठित क्षेत्र के लगभग 50 हजार श्रमिकों तक पहुंचाने का लक्ष्य है

बैठक में भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख विनय डोंगरे द्वारा भारतीय मजदूर संघ को दिए गए लक्ष्य को कैसे पूरा किया जाए इसकी योजना बताई गई। साथ ही इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए जिला स्तर से ब्लॉक संपर्क प्रभारी नियुक्त किए गए जिसमें श्रमिक संपर्क अभियान के प्रभारी के रूप में राजेश मंसूरिया, कार्यालय संचालन एवं डाटा संग्रहण संपत दरवाई, कार्यालय संपूर्ण व्यवस्था दीनदयाल धोटे, मीडिया प्रभारी चाणक्य राखड़े भैसदेही प्रभारी हरिओम कुशवाहा, मुलताई प्रभारी पर्वतराव ठाकरे, सारणी प्रभारी राकेश नामदेव, बैतूल ग्रामीण गोविंद साहू, बैतूल शहर पंजाबराव गायकवाड, आमला अमूल लोखंडे, आठनेर राजेंद्र कनेरे, भीमपुर राजकुमार चढोकार, घोड़ाडोंगरी महेंद्र प्रजापति, चिचोली सचिन राय, प्रभात पट्टन चंद्रभान पंडाग्रे, शाहपुर प्रमोद कुमार सिंह को नियुक्त किया गया। यह प्रभारी अपने ब्लॉक स्तर की टोली बनाकर श्रमिक संपर्क अभियान करेंगे। इसके साथ ही भारतीय मजदूर से संबंधित संगठन को अपना-अपना लक्ष्य दिया है। वह अपनी अपनी टोली के साथ में श्रमिक संपर्क अभियान करेंगे। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्य समिति सदस्य महेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा भी सभी को श्रमिक संपर्क अभियान के बारे में अवगत कराया गया। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष संपत दरवाई, हरिओम कुशवाह प्रदेश प्रभारी नगर पालिका नगर पंचायत मिरचंद साहू, नगर पालिका मजदूर संघ अध्यक्ष केके भावसार राज्य कर्मचारी संघ सचिन राय, बिजली कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष चंद्रभान पंडाग्रे, विजय यादव, बाबूलाल पवार, संतोष शिंदे, शैलेंद्र बिहारिया, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मजदूर संघ से मीरा खातरकर, मीरा पंडोले, सतपाल साहू, रमेश बारस्कर, धर्मराज झरबडे, ऋषभ जैन, राम प्रसाद, संदीप दुबे, कृष्णा कुंभारे, विष्णु प्रसाद सरवैया, डैनी गौड, दीपक वर्मा, प्रकाश बंजारे, राजेश कुमार ठाकुर, राजू साहू, हेमेंद्र वर्मा, रूपलाल गोहे, सुनील पाल आदि भारतीय मजदूर संघ से संबंधित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सारनी के वार्ड क्रमांक 33 में शस्त्र लाइसेंस निलंबित

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पालिका उप निर्वाचन-के तहत नगर पालिका परिषद सारनी के लिए आगामी 9 दिसंबर को मतदान सम्पन्न होना है। इस दौरान आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्वाचन के दौरान लोक शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए नगर पालिका परिषद सारनी के वार्ड क्रमांक 33 के अन्तर्गत शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों आग्नेयास्त्रों शस्त्र मतगणना अवधि 12 दिसंबर तक के लिए निलंबित करने के आदेश जारी किये हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील हो गया है।

जारी आदेश के अनुसार समस्त शस्त्र लायसेंस धारक अपने शस्त्र को तत्काल अपने क्षेत्र के थाने में जमा कराऐंगे। जिले के थाना प्रभारी सारनी को आदेशित किया गया है कि वे नगर पालिका परिषद सारणी के वार्ड क्र. 33 के समस्त शस्त्र लायसेंस धारकों से शस्त्र प्राप्त कर थाने में जमा करें। जमाकर्ता द्वारा शस्त्र लायसेंस धारकों को विधिवत उचित प्राप्ति रसीद दी जाए। उक्त शस्त्र सुरक्षित अभिरक्षा में रखे जाए तथा नगर पालिका उप निर्वाचन की प्रक्रिया 12 दिसंबर तक संपन्न होने के पश्चात समस्त शस्त्र संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों को बिना किसी आदेश की प्रतीक्षा किए वापस किए जाए।

बैतूल की टीम ने लोक नृत्य में फिर लहराया परचम

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में लगातार दूसरी बार मारी बाजी

बैतूल, देशबन्धु। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर-जिला विश्वविद्यालय युवा उत्सव में बैतूल की लोक नृत्य टीम ने लगातार दूसरी बार जीत का परचम लहराया। ज्ञान-विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में जेएच कालेज के छात्र-छात्राओं ने कई विधाओं में भाग लिया, लेकिन लोक नृत्य टीम ने अपनी कला से सबका दिल जीत लिया। इस दल का निर्देशन जिले के प्रसिद्ध लोक कलाकार महेश इंगले और उनके सहयोगी राजेश कवडेती ने किया। महेश इंगले, जिन्हें साधारण कलाकार के नाम से जाना जाता है, उन्होंने अपनी प्रतिभा और निर्देशन से बैतूल की टीम को एक बार फिर से विजयी बनाया। अब यह टीम 26 से 30 नवंबर तक डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में आयोजित जोनल स्तर की प्रतियोगिता में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी दुबे ने टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूर्व जिला समन्वयक प्रो. राजेश शेषकर, जिला समन्वयक प्रो. युगल सरले, प्रो. साहू और असिस्टेंट प्रो. स्वाति नेम ने भी टीम को प्रोत्साहित किया। कोठी बाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य, जनभागीदारी सदस्य और युवा छात्र नेता विकास प्रधान, तथा जिला अध्यक्ष आदित्य (बबला) शुक्ला ने भी कलाकारों को बधाई संदेश भेजे। महेश इंगले ने अपनी टीम की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि कलाकारों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने टीम के सभी सदस्यों को आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रहने और अपने प्रदर्शन को और बेहतर करने की सलाह दी।

अनिल बने अजाक्स नर्मदापुरम संभाग के अध्यक्ष

दशरथ धुर्वे बैतूल जिला कार्यवाहक अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के प्रांतीय अध्यक्ष जेएन कंसोटिया (आईएएस) ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए अजाक्स बैतूल के जिला अध्यक्ष अनिल कापसे को नर्मदापुरम संभाग का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही, जिला महासचिव दशरथ धुर्वे को बैतूल का कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बनाया गया है।

अनिल कापसे ने अजाक्स में अपने नेतृत्व से एक मिसाल कायम की है। अपने पहले निर्वाचन में उन्होंने निकटतम उम्मीदवार को दोगुने मतों से हराकर विजय हासिल की थी। इसके बाद से अब तक सभी चुनावों में वे लगातार निर्विरोध निर्वाचित होते आ रहे हैं। उनकी यह नई जिम्मेदारी उनकी लोकप्रियता को दर्शाती है। दशरथ धुर्वे अब कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बनाए गए हैं, पहले जिला महासचिव के पद पर कार्यरत थे। वे संगठन में विकासखंड और तहसील अध्यक्ष के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति से संगठन के जिला स्तर पर और अधिक मजबूती की उम्मीद है।

अजाक्स जिला शाखा, तहसील, और विकासखंड शाखाओं के समस्त पदाधिकारियों ने अनिल कापसे को संभागीय अध्यक्ष और दशरथ धुर्वे को कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही, प्रांतीय अध्यक्ष जेएन कंसोटिया (आईएएस) का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि ये नियुक्तियां संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। इन बदलावों के साथ, अजाक्स की बैतूल और नर्मदापुरम संभाग शाखाएं अब नए नेतृत्व में और अधिक मजबूती और प्रभावी कार्यक्षमता के साथ काम करेंगी।

सावलमेंढा के धीरज मुंबई में शिक्षाविदों को सिखाएंगे एआई तकनीक का उपयोग

एआई के जरिए शोध में नवाचार सिखाने का करेंगे नेतृत्व

बैतूल, देशबन्धु। सावलमेंढा के धीरज शिवहरे मुंबई में 25 से 27 नवंबर के बीच आयोजित होने वाले स्टार एजुकेशन अवार्ड 2024 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए शोध कार्यों को सरल और प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण देंगे।

धीरज शिवहरे इस कार्यक्रम में शिक्षाविदों को सिखाएंगे कि कैसे एआई तकनीक का उपयोग कर बड़े डेटा सेट का विश्लेषण, जटिल समस्याओं का समाधान, और शोध कार्यों में नई दिशा प्रदान की जा सकती है। धीरज द्वारा विकसित एआई आधारित टूल शिक्षा जगत में क्रांति ला चुका है। जो शोधकर्ताओं को त्रुटियों की पहचान और डेटा विश्लेषण में मदद करता है। इस नवाचार के लिए उन्हें दिल्ली में कैबिनेट मंत्रियों द्वारा सम्मानित भी किया गया है। धीरज का कहना है एआई तकनीक शोध कार्यों को तेज और सटीक बनाएगी। मेरा उद्देश्य शिक्षाविदों को एआई के साथ जोड़कर उनके शोध कार्यों को नई ऊंचाई तक ले जाना है।

उल्लेखनीय है कि धीरज शिवहरे ने मात्र 20 वर्ष की आयु में नारायण पब्लिक स्कूल की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना शुरू किया। उनका स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए जाना जाता है। 2017 में उन्होंने एक स्कूल प्रबंधन सॉफ्टवेयर विकसित किया, जो आज कई देशों में स्कूल प्रशासन और शिक्षकों के लिए मददगार साबित हो रहा है। धीरज का यह सफर शिक्षा और तकनीक को जोड़ते हुए नए मानक स्थापित करने का रहा है। अब एआई तकनीक को शिक्षा के साथ जोड़ने का उनका यह प्रयास शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। मुंबई में आयोजित इस समारोह में देश-विदेश के हजारों शिक्षाविद, शोधकर्ता, और शिक्षा विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। जिसमें बैतूल जिले का नाम रोशन होगा।

प्रेस क्लब का वर्किंग जनरलिस्ट की जिला एवं तहसील कार्यकारिणी गठित

आमला, देशबन्धु। प्रेस क्लब का वर्किंग जर्नलिस्ट की जिला अध्यक्ष एवं कार्यकारी विस्तार हेतु रेस्ट हाउस आमला में डॉक्टर जाकिर शेख के मार्गदर्शन में बैठक कर सर्व समिति से जिला अध्यक्ष बैतूल एवं आमला के अध्यक्ष की विस्तारक कार्यकारिणी पर चर्चा की गई। चर्चा के प्रस्ताव बैतूल जिला कार्यकारिणी की रूपरेखा में प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर खालिद केश के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। जिला अध्यक्ष के लिए इरशाद खान एवं तहसील अध्यक्ष *मोहम्मद आसिफ लंघा के नाम पर सर्वसम्मति से नाम प्रस्तावित किया गया। डॉ रमेश दामले को विधिक सलाहकार बैतूल जिला ,नरेंद्र असोले उपाध्यक्ष आमला,श्याम कुमार बागियार ग्रामीण अध्यक्ष बोरधेही के नाम सम्मिलित है। समिति गठन होने के बाद सभी लोगों ने बधाई दी।,बधाई देने वालों में डॉक्टर जाकिर शेख कमलेश ऊंईके ,नरेंद्र, महेश्वर सोनी ,श्याम कुमार बगिया, आकाश सोनी, दिनेश बारस्कर,अनिल साहू,सदाराम झारबडे , रिंकू रामपुर, गोलू सोनी, शेख आबिद है।

चिचोली ब्लॉक के असाड़ी क्षेत्र में 50 किसानों की समस्याओं का हुआ समाधान

राजस्व महाअभियान में परंपरागत रास्तों से अतिक्रमण हटाकर किया निपटारा

चिचोली, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन के राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत चिचोली तहसील के असाड़ी क्षेत्र में किसानों की राजस्व संबंधी समस्याओं का सफल समाधान किया गया। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देश पर जिलेभर में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य किसानों की राजस्व समस्याओं का शीघ्र निराकरण करना है। अभियान के तहत परंपरागत रास्तों पर हुए अतिक्रमण को हटाने और राजस्व विवादों का निस्तारण करने के लिए विशेष कार्रवाई की जा रही है।

असाड़ी, दूधिया, हरराढाना और अक्तीखेड़ा गांवों में दो दर्जन से अधिक वर्षों से बंद पड़े परंपरागत रास्तों को तहसीलदार अतुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में खोला गया। राजस्व निरीक्षक रमेश गायकवाड़ और पटवारी पांडुरंग देशमुख ने मौके पर पहुंचकर मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 131 के तहत कार्रवाई की। पुलिस विभाग के सहयोग से इन रास्तों पर हुए अतिक्रमण हटाए गए। अभियान के दौरान लगभग 50 किसानों की राजस्व संबंधी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। खेतों तक पहुंचने वाले रास्ते खुलने से किसानों ने राहत की सांस ली। किसानों ने लंबे समय से बंद रास्तों के कारण कृषि कार्यों में हो रही परेशानियों का जिक्र किया था, जिनका अब स्थायी समाधान कर दिया गया है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अतुल श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक रमेश गायकवाड़, पटवारी पांडुरंग देशमुख, पुलिस विभाग की टीम और अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस अभियान के तहत प्रशासन ने किसानों को यह भरोसा दिलाया कि उनकी हर समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जाएगा। असाड़ी क्षेत्र के किसानों ने तहसील प्रशासन और पुलिस विभाग की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। किसानों ने बताया कि लंबे समय से बंद रास्तों के कारण खेती के लिए आवश्यक सामग्री खेतों तक ले जाना मुश्किल हो गया था। अब इन रास्तों के खुलने से उनकी परेशानियां खत्म हो गई हैं।

स्वामी रामदेव के शिष्य आएंगे बैतूल, होगा शिविर

बैतूल, देशबन्धु। योगऋषि स्वामी रामदेव के मार्गदर्शन में बैतूल में दिसंबर माह में विशाल योग आरोग्य शिविर लगने जा रहा है। इसमें योगपीठ हरिद्वार से स्वामी परमार्थ देव जी उपस्थित रहेंगे। इस शिविर में योग के अलावा आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से सभी बीमारियों का उपचार होगा।

यह जानकारी भारत स्वाभिमान न्यास और पंतजलि योग समिति के राज्य प्रमुख व्दय करण सिंह और डॉ.पुष्पांजलि शर्मा ने दी। भोपाल से बैतूल तैयारियों का जायजा लेने आए इन लोगों ने अनुराग टेंट हाउस राजा भोज मार्ग में आज सुबह पंतजलि की जिले भर की टीम की बैठक लेकर जानकारी दी। 24 दिसंबर रविवार सुबह 11 बजे दीप प्रज्वलित कर इस बैठक का शुभारंभ किया गया। इसमें भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य प्रभारी करण सिंह, पंतजलि योग समिति की राज्य प्रभारी डा पुष्पांजलि शर्मा, पंतजलि किसान समिति के राज्य प्रभारी कमलेश गौर, भारत स्वाभिमान न्यास के सहराज्य प्रभारी आवठे, युवा भारत के राज्य प्रभारी लखन के अलावा शिविर आयोजन समिति से जुड़े सुनील व्दिवेदी, बलराम जसूजा, संजय शुक्ला पप्पी, दीपक पाल के अलावा भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े, विमल दुबे, हितेश पटेल, संगीता अवस्थी, विनोद परिहार आदि शामिल थे। इस बैठक में राज्य के प्रभारियों के अलावा जिले भर के समिति के सदस्य उपस्थित थे।

इस बैठक में बताया गया कि आगामी माह के 13, 14 और 15 दिसंबर को तीन दिवसीय योग-आरोग्य शिविर लगेगा। इसमें सुबह 6 बजे से 8 बजे तक पंतजलि योग समिति के केन्द्रीय प्रभारी स्वामी डा परमार्थ देव के सानिध्य मार्गदर्शन योग व ध्यान होगा। इसके बाद सुबह 9 बजे से 12 बजे तक फिर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आरोग्य शिविर लगेगा। इस आरोग्य शिविर में सभी बीमारियों का उपचार आयुर्वेद, पंचकर्म और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से तीनों दिन किया जाएगा। इसके अलावा स्वामी जी का स्कूलों में, आठनेर में कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से पंतजलि के योग साधक आएंगे। राज्य स्तरीय सम्मेलन भी होगा। इसके साथ ही योग गुरुओं का सम्मान होगा, वहीं योग साधकों और छात्र छात्राओं को हरिद्वार से आए प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे। बैठक में श्रीमती तरुणा द्विवेदी, रत्नमाला कुबड़े, चंदा भूमरकर अरुणा पाटनकर, रीना इवने मानी सोलंकी, प्रीति साहू, दिनेश, नवनीत वर्मा, राजेश कोडले, बल्लू गुप्ता, संतोष राठौर, गणेश नरवरे, कृष्णराव झरबड़े राजेश पंडोले, बिमल दुबे, नायक, सुनील मेसरे, शिवपाल, सतीश पाल, लिखितकर, पंजाबराव अडलक आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने की हम होंगे कामयाब अभियान को सफल बनाने की अपील, कहा-

बेटी और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान, हर व्यक्ति की है जिम्मेदारी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए संचालित किए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़े को सफल बनाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जारी अपने संदेश में कहा है कि हमारी बेटियों और बहनों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना आवश्यक है। बेटियों और बहनों की सुरक्षा और सम्मान केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इस दृष्टि से 25 नवम्बर से 19 दिसम्बर तक हम होंगे कामयाब पखवाड़ा मनाने जा रहे हैं। इसमें पुरूष वर्ग की भूमिका ज्यादा अहम है। पुरूष अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव लाकर समाज में फैले नकारात्मक दृष्टिकोण को चुनौति दे सकते हैं, जो महिलाओं के प्रति हिंसा का मुख्य कारण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब पुरूषों की जिम्मेदारी है कि हम अपने समाज और परिवार में अपनी माता-बहनों को सुरक्षित रखें और उनकी चिंता करें। हमें जन्म से ही घर में लड़कों को यह सिखाना होगा कि हर बेटी और महिला का सम्मान करें। बेटियों के साथ शारीरिक हिंसा या शोषण न हो, इसकी चिंता करें और उन्हें अपने बराबर का समझें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आवश्यक है कि माता-पिता अपने बच्चों को जागरूक करें और महिलाओं पर होने वाली हिंसा का विरोध करें। साथ ही समाज और परिवार में सभी समानता का माहौल बनाएं। बेटे-बेटी और महिला- पुरूष का भेदभाव समाप्त होना चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए समाज, सरकार और कानून सभी का समान रूप से सहयोग आवश्यक है। तभी हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकेंगे। जहां हर महिला और हर बहन सुरक्षित होगी और अपने सपनों को साकार कर सकेगी।

चाइल्ड लाइन 1098 या महिला हेल्प लाइन 181 पर कर सकते हैं डायल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यदि किसी को मदद की जरूरत हो तो तुरंत चाइल्ड लाइन 1098 या महिला हेल्प लाइन 181 पर डायल कर सकते हैं। डायल 100 पर भी सम्पर्क कर मदद ली जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी की इज्जत करते हुए विशेष रूप से माता और बहनों के प्रति समाज के योगदान को कभी नहीं भूलेगी। सरकार महिलाओं के साथ सदैव खड़ी दिखाई देगी। आईए हम सब मिलकर हम होंगे कामयाब पखवाड़े को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री से महाराष्ट्र कैडर के आईपीएस शर्मा ने की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुम्बई में महाराष्ट्र कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा (आईजी) एवं उनकी धर्मपत्नी, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती श्रद्धा शर्मा ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनोज शर्मा की संकल्पों की सिद्धि और दृढ़ता प्रदेश और देश के सभी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनोज शर्मा ने विपरीत परिस्थितयों में चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता प्राप्त कर न केवल मुरैना बल्कि पूरे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। उललेखनीय है कि मध्यप्रदेश के निवासी मनोज कुमार शर्मा 2005 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं, जिन्हें महाराष्ट्र कैडर आवंटित हैं। वे वर्तमान में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनका जन्म चंबल संभाग के एक गांव में 3 जुलाई 1975 में हुआ था।

मध्यप्रदेश में नागपुर की तर्ज पर होगी संतरे की खेती : कुशवाहा

एक जिला-एक उत्पाद की तर्ज पर लगाई जाएगी फूड प्रोसेसिंग यूनिट

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में एक जिला-एक उत्पाद की तर्ज पर उद्यानकी फसलों की प्रोसेसिंग के लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा विस्तृत कार्य-योजना तैयार की जायेगी। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने रविवार को नागपुर में आयोजित एग्रो विजन राष्ट्रीय कृषि मेले में आयोजित कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना जिला और संभाग लेवल पर हो जाने से उत्पादक किसानों को उपज का वाजिब दाम मिल सकेगा।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में 20 वर्षों में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है। खेती-किसानी को सस्ती दर पर बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में कृषि उत्पादन बड़ा है। किसान भाई परंपरागत खेती के स्थान पर कैश क्रॉप के प्रति आकर्षित हुए हैं, उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का प्रयास है कि उद्यानकी फसलों का उत्पादन करने वाले किसानों को फसल का सही दाम मिल सके। इसके लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट और मार्केटिंग का काम प्राथमिकता के साथ किया जाएगा

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री कुशवाहा ने नागपुर में पैदा किये जा रहे हैं ऑर्गेनिक संतरे की फसल का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भी संतरे का उत्पादन बड़े स्तर पर होता है। संतरे की फसल को और अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रदेश के किसानों को नागपुर स्टडी टूर पर भेजा जाएगा, जिससे किसान भाई ऑर्गेनिक संतरे की उत्पादन प्रक्रिया को देख और समझ सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने विदेश जाने से पहले मुम्बई में सुना प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम

- मोदी ने मन की बात में की महेश की तारीफ
- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के लिए इन्दौर की हुई तारीफ

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से सदैव कुछ नया करने की प्रेरणा मिलती है। श्री मोदी ने 'मन की बात कार्यक्रम' में प्रदेशवासियों द्वारा सामूहिक प्रयासों से पर्यावरण-संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की है। यह सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विदेश जाने के पहले मुंबई प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के 116 वें संस्करण सुनने के बाद यह विचार व्यक्त किए।

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल क्रांति में बुजुर्गों को भागीदार बनाने के लिए युवाओं द्वारा की जा रही पहल के अंतर्गत भोपाल के महेश का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने मोहल्ले के कई बुजुर्गों को मोबाइल के माध्यम से पेमेंट करना सिखाया है। इन बुजुर्गों के पास स्मार्टफोन तो था, लेकिन उसका सही उपयोग बताने वाला कोई नहीं था। श्री मोदी ने आव्हान किया कि बुजुर्गों को डिजिटल अरेस्ट के खतरे से बचाने के लिए भी युवा आगे आएं। श्री मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत इंदौर में पेड़ लगाने के बने रिकॉर्ड का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के इंदौर में अभियान अंतर्गत 24 घंटे में 12 लाख से ज्यादा पेड़ लगाए गए। अभियान में हुई जन-सहभागिता से इंदौर की रेवती हिल्स का बंजर इलाका अब ग्रीन जोन में बदल जाएगा।

श्री मोदी ने कहा कि 'मन की बात' देश के सामूहिक प्रयासों, उपलब्धियों, जन-जन के सार्मथ्य, युवा सपनों और देश के नागरिकों की आकांक्षाओं की बात है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में एनसीसी से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि यह किसी भी कैरियर के लिए व्यक्तित्व निर्माण में सहायक है।

अपर मुख्य सचिव ने इंदौर में की बिजली कंपनी के कार्यों की समीक्षा, कहा-

नए कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर करें

भोपाल, देशबन्धु। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई ने रविवार को पोलोग्राउंड इंदौर में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नए कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

श्री मंडलोई ने आरडीएसएस पूर्ण हो चुके, वर्तमान में हो रहे एवं अगले चरण में होने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यों को समय पर कराने के निर्देश दिए, जिससे आमजनों को उसका लाभ मिले। श्री मंडलोई ने कहा कि शासकीय एवं निजी बिजली उपभोक्ताओं से राजस्व संग्रहण समय पर किया जाए। इस कार्य में कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के आरडीएसएस के कार्यों की प्रगति एवं जारी वित्तीय वर्ष में सात माह में राजस्व संग्रहण पर संतोष जताया।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने अपर मुख्य सचिव को स्मार्ट मीटर परियोजना में आठ लाख से ज्यादा मीटर स्थापित होने, रबी सीजन में ट्रांसफार्मर की उपलब्धता, दैनिक विद्युत आपूर्ति, शासकीय विभागों से बकाया वसूली के लिए किए जा रहे प्रयास, नई भर्ती प्रक्रिया, आरडीएसएस के 46 ग्रिड पूर्ण तैयार होने समेत अन्य विषयों की जानकारी प्रस्तुत की। सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी शाखा द्वारा बिलिंग से सबंद्ध ऑटोमेशन कार्य किया जा रहा हैं। इसके होने पर नई सुविधा प्रारंभ हो जाएगी। यदि स्मार्ट मीटर से संबंद्ध उपभोक्ता की राशि जमा नहीं करने पर बिजली ऑटोमेटिक कटती है, तो वह जैसे ही बिजली बिल जमा करेगा, वैसे ही ऑटोमेटिक उसकी बिजली अगले ही मिनिट स्वत: चालू हो जाएगी, उसे जोन- वितरण केंद्र नहीं जाना होगा। श्री मंडलोई ने पश्चिम क्षेत्र कंपनी के सुधारवादी और उपभोक्ता सेवा संबंधी प्रयासों की सराहना भी की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, निदेशक तकनीकी सचिन तालेवार, कार्यपालक निदेशक गजरा मेहता, मुख्य अभियंता रवि मिश्रा, एसआर बमनके, एसएल करवाड़िया, एसआर सेमिल, आरके आर्य, मुख्य वित्त अधिकारी नरेंद्र बिवालकर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आंतरी में पटरी से उतरी मालगाड़ी

ग्वालियर, देशबन्धु। ग्वालियर जिले के डबरा से एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां आंतरी रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी पटरी से नीचे उतर गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन का एक डिब्बा बेपटरी हो गया। हाल ही में तीसरी रेल लाइन बनाई गई है। यह घटना अल सुबह करीब 5 बजे की बताई जा रही है। इस हादसे की खबर मिलते ही रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने राहत कार्य शुरू कर दिया। मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरने के कारण जहां एक ट्रैक बाधित रहा। यह तो गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने बूथ अध्यक्षों का किया सम्मान, अभिनंदन यात्रा में हुए शामिल, बोले-

चुनावों में ऐतिहासिक विजय दिलाने में बूथ समितियों की महती भूमिका

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा कैडरबेस संगठन है। यह कार्यकर्ता आधारित दल है। 'भाजपा ने बूथ जीता चुनाव जीता' जैसे अभियान चलाकर प्रदेश के सभी बूथों को मजबूत करने का कार्य किया है। प्रदेश में बूथ स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूत स्थिति से ही विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी को ऐतिहासिक विजय मिली है। उन्होंने कहा कि चुनावों में ऐतिहासिक विजय दिलाने में बूथ समितियों की महती भूमिका है। श्री शर्मा ने आज भोपाल मध्य विधानसभा के बूथ क्रमांक 192 के नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा का स्वागत कर अभिनंदन किया। वहीं श्री शर्मा ने जबलपुर उत्तर विधानसभा के विवेकानंद मंडल के 22 बूथों के बूथ समिति की बैठक में शामिल होकर नवनिर्वाचित अध्यक्षों व बूथ समिति के सदस्यों को सम्मानित किया।

वहीं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने गुना, प्रदेश शासन के मंत्री, पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रदेश भर में बूथ अध्यक्षों एवं बूथ समितियों के सदस्यों का सम्मान किया। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने मंडला के बाबलिया मंडल के बावलिया शक्ति केन्द्र पर बूथ अध्यक्षों का सम्मान किया। मंडला नगर के बूथों के अध्यक्षों का सम्मान प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने किया। इंदौर ग्रामीण में प्रदेश महामंत्री व सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने बूथ क्रमांक -184 में नवनियुक्त बूथ अध्यक्षों का सम्मान किया। इंदौर नगर में जिलाध्यक्ष गौरव रणदिवे ने विधानसभा वार्ड 85 में बूथ क्रमांक 82 पर नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों का स्वागत एवं सम्मान किया। वहीं ग्वालियर में प्रदेश शासन के मंत्री इंदर सिंह परमार ने दीनदयाल उपाध्याय मण्डल के शक्ति केंद्र क्रमांक 1 पर बूथ क्रमांक 4, में बूथ अध्यक्ष व बूथ समिति के सदस्यों को शॉल व श्रीफल से सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष दीपक शर्मा सहित जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्वालियर ग्रामीण में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने बूथ 207, सिटी सेंटर में बूथ अध्यक्षों का सम्मान किया। राजगढ़ के खुजनेर शक्ति केंद्र के बूथ क्रमांक 208 से 215 तक के बूथ अध्यक्षों व बूथ समितियों के सदस्यों को पूर्व जिला अध्यक्ष श्री दिलवर यादव ने माला पहनाकर सम्मानित किया। इसके अलावा सिंगरौली, कटनी, अशोक नगर, दमोह, प्रीतम सिंह लोधी, बैतूल, बड़वानी, रायसेन के गैरतगंज सहित अन्य विधानसभा क्षेत्रों में बूथ अध्यक्षों का सम्मान किया गया।

दक्षिण आफ्रिका से शुरू हुआ था राष्ट्रपिता गांधी का महात्मा बनने का सफर : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का भारत से घनिष्ट संबंध रहा है, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का महात्मा बनने का सफर भी दक्षिण अफ्रीका में उनके संघर्ष से ही प्रारंभ हुआ। उन्होंने कहा कि आज अनेक भारतीय वहां हैं।

वह आज अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संगठन रोटरी के फ्रेंडशिप एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत सांस्कृतिक व सद्भावना के आदान-प्रदान के उद्देश्य से साउथ-आफ्रिका और नामीबिया देश के रोटरी मंडल 9350 से प्रतिनिधि मंडल से कही। श्री सिंह आज प्रतिनिधि मंडल के सम्मान में यहां भोपाल के शाहपुरा रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने दक्षिण आफ्रीका से आए हुए प्रतिनिधि मंडल में समाज सेवी एवं वरिष्ठ रोटेरियन व अनुभवी प्रोफेशनल से मुलाकात की। कार्यक्रम में श्री सिंह ने उल्लेख किया कि भारत देश के साथ मध्यप्रदेश संस्कृति, पर्यटन एवं सामाजिक, पारिवारिक व मूल्यों से समृद्ध प्रदेश है, इसलिए विदेश से प्रवास पर आए मेहमान यहां कि संस्कृति एवं समृद्ध विरासत को देख सकते हैं तथा आत्मसात कर सकते हैं। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय आतिथ्य बेमिसाल है यहां अतिथियों को देवता स्वरूप मानकर सेवा की जाती है। मुझे पूरा विश्वास है कि साउथ अफ्रीका एवं नामीबिया देशों से आए हुए रोटेरियन सदस्यों द्वारा यहां आतिथ्य का पूरा लाभ लिया जा रहा होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और साउथ अफ्रीका से आए हुए रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज के सदस्यों के परिचय से हुआ। इस टीम का नेतृत्व रोटेरियन शैन बाइसमन सायनन कर रहीं हैं, जो रोटरी की पूर्व मंडल अध्यक्ष हैं। उन्होंने प्रदेश में अनुभव व प्रवास की व्यवस्थाओं को सराहनीय बताया। अन्य सदस्यों का परिचय पूर्व मंडल अध्यक्ष जिनेंद्र जैन द्वारा कराया गया। जिनमें रोटेरियन रीनार्ड एवं एस. मेराल्डा, रोटेरियन ग्राहम एवं जैकी क्ले डॉन, रोटेरियन क्रिसक्रॉसबी, रोटेरियन ज्यूएडी एवं पीटर तथा रोटेरियन रीचर्ड एवं पत्नी क्रिसायदा कुल शामिल हैं। इस अवसर पर रोटेरियन क्लब, शाहपुरा, अध्यक्ष रश्मीन टोंगिया द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया।

कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्षगण नरेन्द्र जैन, रोटेरियन डी.डी. दत्ता, रोटेरियन जिनेन्द्र जैन के साथ वरिष्ठ रोटेरियन श्रीकांत, रोटेरियन मागर्दे, रवि गोयल, रोटेरियन आशीष बरगले, रोटेरियन लखन पाटीदार, रोटेरियन ओम असनानी, रोटेरियन सरन, रोटेरियन विनीता अवस्थी और बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य सपिरवार उपस्थित थे।

नांदेड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस जीती, क्षेत्र की सभी 6 विस सीटें भाजपा की झोली में

नांदेड, एजेंसी। महाराष्ट्र के नांदेड में चौकाने वाले परिणाम आए हैं, जहां एक तरफ लोकसभा उपचुनाव में इस सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। वहीं मतदाताओं ने क्षेत्र की सभी 6 लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में डाल दी हैं।

कांग्रेस सांसद वसंतराव चव्हाण के निधन के कारण खाली हुई नांदेड़ लोकसभा सीट पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के साथ ही उपचुनाव हुआ था। इस सीट से कांग्रेस ने वसंतराव चव्हाण के बेटे रविंद्र चव्हाण को प्रत्याशी बनाया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदि भाजपा के संतुकराव हंबार्डे को महज 1457 वोटों पराजित कर चुनाव जीत लिया।

दिलचस्प बात यह है कि इस क्षेत्र की सभी 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस हार गई है। यानी जनता ने लोकसभा में कांग्रेस और विधानसभा में भाजपा गठबंधन को जीत दिलाई। इनमें भोकर, नांदेड़ नॉर्थ, नांदेड़ साउथ, नैगांव, डेगपुर और मुखेड विधानसभा सीट शामिल है।

ज्ञात हो कि नांदेड लोकसभा क्षेत्र कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अशोक चव्हाण का गढ़ रहा है, हालांकि लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने पाला बदल लिया था और वह भाजपा में शामिल हो गए थे। इस विधानसभा चुनाव में भोकर से उनकी बेटी श्रीजया मैदान में थी। जया ने वह 50 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं नांदेड़ नॉर्थ से शिवसेना के देवेंद्र राव कल्याणकर, नांदेड़ साउथ से शिवसेना के आनंद शंकर टिड़के, नैगांव से भाजपा के राजेश पवार, डेगलुरू से भाजपा के जितेश अंतापुरकर और मुखेड़ से भाजपा के तुषार गोविंदराव विजयी हुए हैं।

यूक्रेनी मीडिया ने किया दावा

मिसाइल हमले में 5 सौ उ. कोरियाई सैनिकों की मौत

सोल, एजेंसी। रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में कीव द्वारा किए गए मिसाइल हमले में लगभग 500 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए। समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक एक यूक्रेनी मीडिया आउटलेट ने यह दावा किया है। डिफेंस न्यूज पब्लिशर ग्लोबल डिफेंस कॉर्पोरेशन का हवाला देते हुए आरबीसी यूक्रेन ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक 'कुर्स्क क्षेत्र पर स्टॉर्म शैडो मिसाइल हमले' की वजह से मारे गए। दक्षिण कोरिया और अमेरिका यह दावा करता रहा है कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद के लिए 10,000 से अधिक सैनिक भेजे हैं। दक्षिण कोरिया के शीर्ष सुरक्षा सलाहकार ने 22 नवंबर को यह दावा भी किया कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के बदले में मॉस्को ने प्योंगयांग को एंटी एयर मिसाइलें और वायु रक्षा उपकरण प्रदान किए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

संभल में हिंसा, 3 की.... तीन ग्रुप तीन तरफ से थे। इस बीच किसी ग्रुप ने फायरिंग की। पुलिस अधीक्षक के पीआरओ के पैर में गोली लगी है, एक डिप्टी कलेक्टर का पैर फैक्चर हो गया है। सीओ के भी छर्रे लगे हैं। पुलिस के लगभग 20 जवान घायल हुए हैं। एक कांस्टेबल के सिर में गंभीर चोट आई है। इस फायरिंग में तीन लोगों की मौत हुई है। मरने वालों की पहचान नईम, बिलाल और नोमान के रूप में हुई है। अभी तक 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन लोगों से पूछताछ की जा रही है। निश्चित रूप से ये उकसावे की कार्रवाई है। किसी के उकसावे में आकर पथराव किया गया है। कोर्ट के आदेश पर सर्वे का काम हो रहा है। सर्वे का काम शांति से चल रहा था, अभी तक कोई दिक्कत नहीं आई थी। सभी लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत की जा रही है।

हेमंत 28 को शपथ.... पहले नेता होंगे। इसके पहले उन्होंने पहली बार 13 जुलाई 2013 को झामुमो, कांग्रेस, राजद गठबंधन के सहयोग से बनी सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस सरकार का कार्यकाल 23 दिसम्बर 2014 तक था। दूसरी बार उन्होंने 29 दिसम्बर 2019 में शपथ ली थी और 31 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। जमानत पर बाहर आने के बाद 4 जुलाई 2024 को उन्होंने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हेमंत सोरेन के पहले उनके पिता शिबू सोरेन और भाजपा के अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं।

झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में गठबंधन को 56 सीटें हासिल हुई हैं। झामुमो को 34, कांग्रेस को 16, राजद को चार और भाकपा (माले) को दो सीटों पर जीत मिली है। राज्य में पहली बार दो-तिहाई बहुमत के साथ कोई सरकार बनने जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई.... तक पहुंच गया है। अलीपुर में 410, आनंद विहार में 412, नेहरू नगर में 408, विवेक विहार में 404, वजीरपुर में 409 अंक दर्ज किए गए हैं। इन इलाकों में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में है, जो सीधे तौर पर नागरिकों की सेहत पर प्रतिकूल असर डाल सकती है। इसके अलावा, दिल्ली के कई अन्य क्षेत्रों में भी प्रदूषण का स्तर काफी उच्च है।

अडानी और मणिपुर का.... पर यदि शांतिपूर्वक चर्चा होगी तो बहुत लाभ मिलेगा। श्री रिजिजू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सामूहिक जवाबदेही से यह सुनिश्चित करना है कि संसद का शीतकालीन सत्र देश के हर नागरिक के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आए। उन्होंने उम्मीद जतायी कि संसद सत्र के दौरान प्रभावशाली चर्चा होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट आनी बाकी है और इसे सदन में पेश किया जाना है। यदि जरूरत पड़ती है तो समय बढ़ाने के लिए अनुमति लेनी होगी।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि पार्टी ने सर्वदलीय बैठक में मांग की है कि उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप के साथ ही मणिपुर में हिंसा, उत्तर भारत में प्रदूषण की समस्या और रेल दुर्घटना जैसे मुद्दों पर संसद में सबसे पहले चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहती है कि श्री अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े मुद्दे पर पहले चर्चा कराई जाए।

उन्होंने कहा कि उद्योगपति पर आरोप है कि उनकी कंपनी ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुकूल सौदा पाने के वास्ते राजनेताओं और नौकरशाहों को कथित तौर पर 2,300 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दी है। उनका यह भी कहना था कि यह देश के आर्थिक और सुरक्षा हितों से जुड़ा गंभीर मुद्दा है और इसको लेकर देश की संसद में गहन चर्चा होनी चाहिए।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा जिसमें 16 विधेयकों पर चर्चा किये जाने की संभावना है। इन विधेयकों में वक्फ संशोधन विधेयक भी है जिसको लेकर विपक्ष के नेता आरोप लगा रहे हैं कि विधेयक की जांच पड़ताल के लिए बनी जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल इससे जुड़ी बैठकों में व्यवधान पैदा कर रहे हैं,इसलिए इस विधेयक पर विचार के लिए जेपीसी को और समय दिया जाना चाहिए।

बैठक के बाद श्री रिजिजू ने मीडिया से बातचीत में कहा, सर्वदलीय बैठक बहुत अच्छी तरह से हुई। कुल मिलाकर 30 राजनीतिक दलों के 42 नेताओं ने बैठक में हिस्सा लिया। सभी राजनीतिक दलों ने अच्छे सुझाव दिए हैं और चर्चा सार्थक रही। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं ने कुछ मांगे रखी हैं और सरकार ने सभी बिन्दुओं का संज्ञान ले लिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के नेताओं ने जो सुझाव दिए हैं, उन्हें हम कार्य मंत्रणा समिति, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के समक्ष रखेंगे कि किस-किस विषय पर चर्चा होनी है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।